website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 325 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 01 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

राष्ट्रीय एकता दिवस:
परेड मार्ग पर पीएम मोदी का पैदल सफर, लोगों का किया अभिवादन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एकता दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य 'एकता परेड' का समापन जैसे ही हुआ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी का दिल जीत लिया। परेड खत्म होते ही पीएम मोदी स्वयं मंच से उतरे और पूरे परेड मार्ग पर पैदल चलते हुए वहां मौजूद लोगों का उत्साहपूर्वक अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी जब आगे बढ़े तो वहां मौजूद लोगों ने 'मोदी-मोदी, भारत माता की जय, जय श्री राम' के नारे लगाते दिखे। परेड स्थल के दोनों ओर खड़े लोग पीएम मोदी को पास देखकर बेहद उत्साहित नजर आए। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी ने हाथ हिलाकर और मुस्कुराकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी ने भी सभी को हाथ जोड़कर नमस्कार किया। पीएम मोदी की मौजूदगी में, देश ने भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। इस मौके पर एक शानदार परेड हुई जिसमें भारत की अनेकता में एकता और महिला सशक्तीकरण को दिखाया गया। इस कार्यक्रम की खास बात महिला अधिकारियों की एक्टिव लीडरशिप थी। परेड में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और उसका बैंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) और सीआईएसएफ बैंड और आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल और त्रिपुरा की पुलिस टुकड़ियां शामिल थीं। अन्य हिस्सा लेने वाली यूनिट्स में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) बैंड, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) बैंड, दिल्ली पुलिस बैंड, एनसीसी फुट टुकड़ी, घुड़सवार और डॉग यूनिट, ऊंट टुकड़ी और ऊंट पर सवार बैंड, साथ ही नागरिक जिम्मेदारी और आधुनिकता का प्रतीक एक सफाई मशीन टुकड़ी भी शामिल थी। हर यूनिट ने अनुशासन, तालमेल और राष्ट्रीय गौरव का शानदार प्रदर्शन किया – जो एकता, शांति, सद्भाव और महिला सशक्तीकरण के विषयों को दिखाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी टुकड़ियों से सलामी ली और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को दिखाने के उनके प्रयासों की तारीफ की। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास एकता नगर में हुई यह परेड सरदार पटेल की स्थायी विरासत को दिखाती है, जिन्होंने 562 रियासतों को मिलाकर एक एकीकृत भारत बनाया था।

जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने वालों का करें विरोध : सीएम योगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि हमें उन सभी कुत्सित प्रयासों का विरोध करना चाहिए, जो जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने का काम करते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस का यही संदेश है कि हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं और सामाजिक एकता को मजबूत करें।

सीएम योगी ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

योगी ने कहा कि सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें हर उस शक्ति का विरोध करना चाहिए जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करने का प्रयास करती है। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें।

सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया

सीएम योगी ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया।

उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है कि "शिवो भूत्वा शिवं यजेत," अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए।

केवड़िया में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया

उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

सीएम योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया।

भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं

उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल महोदया के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा।

प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आज 'रन फॉर यूनिटी' के कार्यक्रम आयोजित हुए

उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी अभियान' को मज़बूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आज 'रन फॉर यूनिटी' के कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है।

स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में उत्तरपूर्व तेज़ी से अग्रसर: प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपभोक्ता मामले और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'समृद्धि के साथ सतत विकास' के विज़न को साकार करते हुए देश स्वच्छ, हरित और ऊर्जा-सुरक्षित उत्तरपूर्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुवाहाटी (असम) में आयोजित 'क्षेत्रीय नवीकरणीय ऊर्जा कार्यशाला' को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर, जिसे 'अष्टलक्ष्मी' कहा जाता है, अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'ऊर्जा-लक्ष्मी' में बदल रहा है।

जोशी ने कहा, "राज्यों की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति सराहनीय है। हमने प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की और सौर, लघु जलविद्युत, हरित हाइड्रोजन और बायोमास क्षेत्रों में संभावनाओं को बढ़ाने के ठोस कदमों पर चर्चा की।"

इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि "उनका एकता का विज़न आज भी हमें देश को जोड़ने और सशक्त करने की प्रेरणा देता है।"

मंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के विज़न के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन, उद्योग और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश हुआ है। सभी उत्तरपूर्वी राज्य अब रेल, हवाई अड्डों और राजमार्गों से जुड़े हुए हैं, जिससे अभूतपूर्व विकास को गति मिली है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (DoNER) द्वारा 2024-25 में परियोजनाओं पर किया गया व्यय 3,447.71 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है — जो पिछले वर्ष की तुलना में 74.4 प्रतिशत अधिक और तीन वर्षों में 200 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। नियमित समीक्षा तंत्र और 'पूर्वोत्तर विकास सेतु' (Poorvottar Vikas Setu) पोर्टल के माध्यम से डिजिटल ट्रैकिंग ने पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाई है। इससे 97 प्रतिशत परियोजनाओं का निरीक्षण और 91 प्रतिशत परियोजनाओं का संचालन सुनिश्चित हुआ है।

फिटनेस एवं वेलनेस कॉन्क्लेव:
केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया विभिन्न क्षेत्रों की शीर्ष हस्तियों के साथ करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय फिटनेस एवं वेलनेस कॉन्क्लेव, 1 नवंबर, 2025 को मुंबई के द ट्राइडेंट होटल में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल, श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, केंद्रीय खेल सचिव हरिरंजन राव और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा इस कॉन्क्लेव में शिरकत करेंगी।

कॉन्क्लेव में 2012 लंदन ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी, अभिनेत्री और खेल उद्घोषक सैयामी खेर, और अभिनेता जैकी भगनानी सहित खेल, सिनेमा, जीवनशैली और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी देश की शीर्ष हस्तियां हिस्सा लेंगी। दिलचस्प पैनल चर्चाओं और सत्रों के माध्यम से, राष्ट्रीय फिटनेस और वेलनेस कॉन्क्लेव भारत के विकसित होते फिटनेस इकोसिस्टम पर चर्चा करने, इसकी व्यावसायिक क्षमता, सामाजिक महत्व और एक स्वस्थ भविष्य को आकार देने में इसकी भूमिका का पता लगाने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करेगा।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मंडाविया ने कहा, "यह वेलनेस और फिटनेस के व्यवसाय को मजबूत करने का समय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के साथ पहले ही इसकी शुरुआत कर दी है और हम सभी को इसे आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आना होगा। भारत एक युवा राष्ट्र है, लेकिन यहां जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की दर बहुत अधिक है। इस पर विजय पाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। मुझे खुशी है कि फिटनेस और वेलनेस के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए कई शीर्ष हस्तियां आगे आई हैं।"

आकर्षक पैनल चर्चाओं की एक सीरीज में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित अतिथि फिटनेस और समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे। फिटनेस और मनोरंजन के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालते हुए, फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी अपनी व्यक्तिगत फिटनेस यात्रा के अनुभव साझा करेंगे और आम जनता के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने में सिनेमा की भूमिका पर विचार करेंगे। ओलंपियन साइना नेहवाल अपने करियर के चरम पर अपने फिटनेस संघर्ष के किस्से भी सुनाएंगी।

केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा, "यह मशहूर हस्तियों से फिटनेस और स्वास्थ्य के बारे में उनकी राय जानने का एक शानदार अवसर है। यह उन उद्योग जगत के दिग्गजों से भी सुनने का एक अवसर है जो शहरों में हमारे जिम के लिए फिटनेस उपकरण बनाते हैं। मुझे उम्मीद है कि मुझे इस पारिस्थितिकी तंत्र के काम करने के तरीके के बारे में कुछ बेहतरीन जानकारी मिलेगी।"

सम्मेलन का एक प्रमुख खंड फिट इंडिया अभियान की पहलों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, जो एक अधिक स्वस्थ, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने की इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा। कार्यक्रम का समापन एक सम्मान समारोह के साथ होगा जिसमें फिट इंडिया एंबेसडर और फिट इंडिया आइकॉन को देश के फिटनेस मिशन में उनके प्रेरक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तेलंगाना कैबिनेट मंत्री के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना कैबिनेट में मंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में हुए एक समारोह में अजहरुद्दीन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। अजहरुद्दीन ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ के आखिर में 'जय तेलंगाना' और 'जय हिंद' के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्री, स्पीकर गद्दम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के चेयरमैन जी सुखेन्द्र रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। अजहरुद्दीन के बेटे मोहम्मद असदुद्दीन भी मौजूद थे, जिन्हें हाल ही में टीपीसीसी का महासचिव नियुक्त किया गया है। राज्य कैबिनेट ने अगस्त में अजहरुद्दीन को राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद सदस्य के तौर पर नॉमिनेट करने का फैसला किया था। अजहरुद्दीन को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मिलने की संभावना है। पूर्व सांसद अजहरुद्दीन फिलहाल तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और इसकी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य हैं। 62 साल के अजहरुद्दीन को 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव से पहले कैबिनेट में शामिल किया गया है। पूर्व क्रिकेटर, जो 2023 में अपने गृह क्षेत्र से चुनाव हार गए थे, फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने नवीन यादव को मैदान में उतारने का फैसला किया और अजहरुद्दीन को कैबिनेट में जगह देने का वादा किया। अजहरुद्दीन के शपथ ग्रहण के साथ ही राज्य कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। वह रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में पहले मुस्लिम मंत्री होंगे। सत्ताधारी पार्टी को करीब दो साल पहले सत्ता में आने के बाद से ही एक भी मुस्लिम मंत्री न होने के कारण समुदाय के विभिन्न वर्गों की आलोचना झेलनी पड़ रही थी। अजहरुद्दीन समेत कांग्रेस पार्टी के सभी प्रमुख मुस्लिम उम्मीदवार 2023 के विधानसभा चुनावों में हार गए थे। अजहरुद्दीन को मंत्री बनाए जाने को कांग्रेस पार्टी का मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जो जुबली हिल्स में मतदाताओं का लगभग 30 प्रतिशत हैं। कैबिनेट का गठन 7 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और 11 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ हुआ था। काफी देरी के बाद, 8 जून को तीन मंत्रियों को शामिल करके कैबिनेट का विस्तार किया गया। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व ने तीन पद खाली रखे। राज्य कैबिनेट में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। अजहरुद्दीन 2009 में कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के कुछ महीने बाद उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 2014 में राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से मैदान में उतारा था, लेकिन वह चुनाव हार गए थे। वर्ष 2018 में, उन्हें तेलंगाना कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार किया था, लेकिन पार्टी ने उन्हें न तो विधानसभा और न ही लोकसभा चुनावों में टिकट दिया।

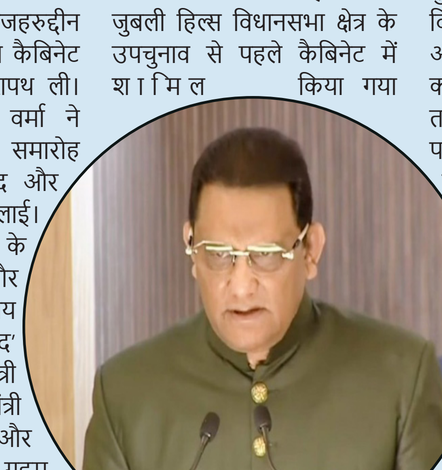

आज के भारत के मानचित्र को बनाने में सरदार पटेल की बहुत बड़ी भूमिका : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन हुआ है। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को 'एकता दौड़' आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उपराज्यपाल वीके सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वहां उपस्थित सभी नेताओं और 'एकता दौड़' में हिस्सा लेने वालों को 'राष्ट्रीय एकता' की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'एकता दौड़' को झंडी दिखाकर रवाना किया। अमित शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन देशवासियों के लिए विशेष दिन है। सरदार पटेल के सम्मान में हम 2014 से लगातार 'एकता दौड़' का आयोजन करते हैं। इस बार सरदार पटेल की 150वीं जयंती है, इसलिए विशेष आयोजन के रूप में देशभर में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "हम सभी जानते हैं कि आजादी के आंदोलन और आजादी के बाद भारत के मानचित्र के निर्माण में सरदार पटेल की बहुत बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने बैरिस्टर की प्रैक्टिस छोड़कर महात्मा गांधी के आह्वान को स्वीकार करते हुए आजादी के आंदोलन में हिस्सा लिया। उनकी नेतृत्व क्षमता का उस समय पता चला, जब किसानों के साथ अन्याय के खिलाफ 1928 में बारडोली सत्याग्रह हुआ। हर कोई मानता था कि अंग्रेज नहीं झुकेंगे, लेकिन सरदार पटेल के नेतृत्व में किसानों ने आंदोलन शुरू किया। देखते ही देखते यह आंदोलन देशभर के किसानों का आंदोलन बना और आखिर में अंग्रेजों को किसानों की बात माननी पड़ी।" गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उसी आंदोलन को लेकर महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' वल्लभभाई पटेल का उपनाम दिया। वल्लभभाई पटेल वहीं से 'सरदार' वल्लभभाई पटेल बने। उन्होंने आगे कहा, "आजादी के बाद अंग्रेजों ने देश को 562 छोटी-बड़ी रियासतों में बांटने का काम किया। सब चिंतित थे कि 562 रियासतों में बंटा हुआ भारत किस तरह से अखंड भारत बनेगा। मगर सरदार पटेल के कारण बहुत कम समय में सभी 562 रियासतों को एकजुट करके आज का भारत का मानचित्र बना। इसी काम ने आज के भारत की नींव रखी।" इस मौके पर अमित शाह ने कहा, "कांग्रेस सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल को उचित सम्मान नहीं दिया। सरदार पटेल को 41 साल की देरी के बाद भारत रत्न से सम्मानित किया गया। देश में कहीं भी कोई स्मारक नहीं बनाया गया। जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तभी उन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की परिकल्पना की और सरदार पटेल के सम्मान में एक भव्य स्मारक बनवाया।" केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाकर, प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर को भारत में एकीकृत करने के सरदार पटेल के संकल्प को पूरा किया। इससे पहले, दिल्ली में सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हिस्सा लिया। इस सभा में सभी नेताओं ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत-श्रीलंका कृषि सहयोग को नई मजबूती
-संयुक्त अनुसंधान और नवाचार पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच कृषि पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में कृषि भवन आयोजित हुई। दोनों देशों ने कृषि मशीनीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, बीज क्षेत्र विकास, कृषि-उद्यमिता, कृषि शिक्षा, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, बाज़ार पहुंच और जलवायु-अनुकूल कृषि सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। साथ ही संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण के अवसरों की भी खोज की गई। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी और श्रीलंका सरकार के कृषि, पशुधन, भूमि एवं सिंचाई मंत्रालय के सचिव डी.पी. विक्रमसिंघे ने बैठक की सह-अध्यक्षता की। श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल में कृषि विभाग की अतिरिक्त महानिदेशक (विकास) जी.जी.वी. श्यामली, कृषि, पशुधन, भूमि एवं सिंचाई मंत्रालय में निदेशक (पशुधन विकास) बी.एस.एस. परेरा और श्रीलंका उच्चायोग में काउंसलर गेशान शामिल थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) , पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) , भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और विदेश मंत्रालय (एमईए) के संयुक्त सचिव भी शामिल हुए । बैठक में डिजिटल कृषि, फसल बीमा और कृषि-स्टार्टअप जैसी पहलों पर भी चर्चा हुई। श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने भारत के कृषि अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), पूसा, नई दिल्ली का दौरा किया। चर्चा में दोनों देशों में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सहयोग को मजबूत करने की भारत और श्रीलंका की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सरकारी स्कूलों में घटता नामांकन: कमजोर नींव पर टिका देश का भविष्य

सरकारी स्कूलों में घटता नामांकन आज देश की शिक्षा व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बन गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों ने एक गंभीर स्थिति उजागर की है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 के शैक्षणिक सत्र में देशभर के लगभग आठ हजार सरकारी स्कूलों में एक भी बच्चे का नामांकन नहीं हुआ। इसके अलावा, एक लाख से अधिक स्कूल ऐसे हैं जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारे देश की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली की कमजोर नींव को भी उजागर करती है। प्रारम्भिक शिक्षा बच्चों के जीवन की बुनियाद होती है। यहीं से उनके व्यक्तित्व, सोच, और भविष्य की दिशा तय होती है। लेकिन जब यह नींव ही कमजोर पड़ जाए, तो आगे की इमारत कितनी मजबूत होगी, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति और भी खराब है। कहीं शिक्षक हैं तो स्कूल नहीं, और जहां स्कूल हैं, वहां शिक्षक नहीं पहुंचते या बच्चों का नामांकन नहीं होता। कई जगह सरकारी स्कूलों की इमारतें जर्जर अवस्था में हैं या उनमें मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। बच्चों के बैठने तक की ठीक व्यवस्था नहीं है, पीने के पानी और स्वच्छ शौचालय जैसी बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं होतीं। ऐसे माहौल में अभिभावक अपने बच्चों को निजी स्कूलों की ओर भेजने लगे हैं, चाहे इसके लिए उन्हें अपनी आय का बड़ा हिस्सा ही क्यों न खर्च करना पड़े।

सरकारी योजनाओं का उद्देश्य तो शिक्षा का प्रसार बढ़ाना और हर बच्चे तक ज्ञान की रोशनी पहुंचाना है, लेकिन इन योजनाओं का असर जमीनी स्तर पर दिख नहीं रहा। "सबके लिए शिक्षा", "निपुण भारत मिशन", "समग्र शिक्षा अभियान" जैसी योजनाओं का लाभ तभी संभव है जब स्कूलों में शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित रहें और शिक्षण प्रक्रिया गंभीरता से चले। लेकिन वास्तविकता यह है कि शिक्षक की कमी, स्थानांतरण की राजनीति, प्रशिक्षण की कमी और जवाबदेही की कमी ने शिक्षा तंत्र को जकड़ रखा है। एक और बड़ी समस्या यह है कि सरकारी स्कूलों की जिम्मेदारी केवल सरकार या शिक्षकों की नहीं मानी जाती। समाज और अभिभावक भी इससे दूरी बनाते जा रहे हैं। कई जगह दानदाता और सामाजिक संगठन स्कूलों की इमारतें या कमरे बनवाते हैं, लेकिन उनमें बच्चों का दाखिला हो और शिक्षा की गुणवत्ता सुधरे, इसकी चिंता कोई नहीं करता। बच्चों को स्कूल भेजने की प्रेरणा देने वाले प्रयास भी बहुत सीमित रह गए हैं। इस पूरे संकट के बीच सबसे अधिक प्रभावित गरीब और ग्रामीण परिवारों के बच्चे होते हैं, जिनके पास निजी स्कूलों का खर्च उठाने की क्षमता नहीं होती। नतीजतन, वे शिक्षा से पूरी तरह कट जाते हैं या फिर आधी-अधूरी पढ़ाई करके ही स्कूल छोड़ देते हैं। अगर देश को सशक्त और शिक्षित बनाना है तो सबसे पहले प्राथमिक शिक्षा की जड़ें मजबूत करनी होंगी।

मितव्ययिता से उपभोक्तावाद तक: क्रेडिट कार्ड संस्कृति ने कैसे बदला भारत का आर्थिक चेहरा

-कर्ज पर टिकी खुशहाली: भारतीय उपभोक्ता की नई आर्थिक भूल

भारत को हमेशा एक ऐसे समाज के रूप में पहचाना गया है जहाँ मितव्ययिता यानी संयम और बचत को नैतिक गुण माना गया। पीढ़ियों तक हमारे घरों में यह सिखाया गया कि "जितनी चादर हो, उतने पैर फैलाओ।" परंतु बीते एक दशक में यह सोच तेजी से बदल रही है। अब वही मध्यम वर्ग, जो पहले "पहले बचत फिर खर्च" के सिद्धांत पर चलता था, "पहले खर्च, बाद में भुगतान" की क्रेडिट संस्कृति को आत्मसात करता जा रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट इस बदलाव की गंभीरता को उजागर करती है। वर्ष 2015 में जहाँ घरेलू ऋण सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का मात्र 26 प्रतिशत था, वहीं वर्ष 2024 के अंत तक यह 42 प्रतिशत तक पहुँच गया है। यानी लगभग दस वर्षों में 16 प्रतिशत की वृद्धि। सिर्फ दो वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत कर्ज में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023 में जहाँ औसत प्रति व्यक्ति कर्ज 3.9 लाख रुपए था, वहीं मार्च 2025 तक यह 4.8 लाख रुपए पहुँच चुका है। इन आँकड़ों के पीछे छिपा सच यह है कि अब भारतीय परिवार अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करने के लिए भी कर्ज लेने लगे हैं। और सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बढ़ते ऋण का 55 प्रतिशत हिस्सा अब नॉन-हाउसिंग रिटेल लोन यानी क्रेडिट कार्ड बकाया, पर्सनल लोन, ऑटो लोन और गोल्ड लोन में है। जबकि घर बनाने जैसे उत्पादक निवेश वाले आवास ऋण अब मात्र 29 प्रतिशत रह गए हैं।

मितव्ययिता से उपभोक्तावाद तक: सोच का बदलता चरित्र

कभी भारतीय समाज में यह गर्व की बात होती थी कि परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बचाता है। "बचत" को सुरक्षा, स्थिरता और

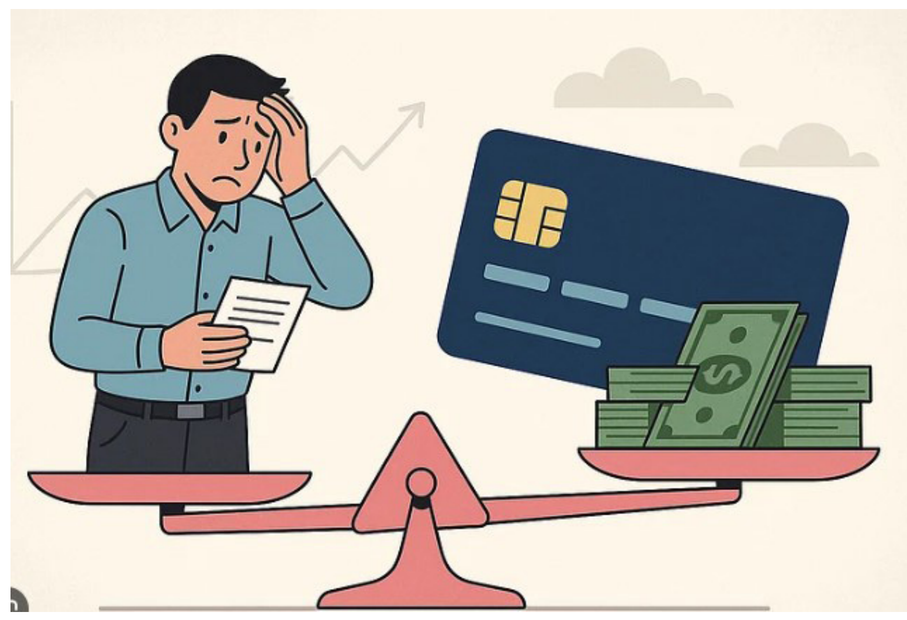

सम्मान का प्रतीक माना जाता था। घर की औरतें 'गुल्लक' में पैसे जमा करती थीं, बुजुर्ग भविष्य के लिए फिक्स्ड डिपॉज़िट रखते थे, और युवा शादी या मकान जैसे लक्ष्यों के लिए बचत करते थे। लेकिन अब सोशल मीडिया, ऑनलाइन मार्केटिंग और "ईएमआई पर सब कुछ" जैसी सुविधाओं ने इस सोच को पलट दिया है। आज उपभोक्ता का मूल्य उसकी बचत नहीं, बल्कि उसके खर्च करने की क्षमता से आँका जाने लगा है। "खरीदो अब, चुकाओ बाद में" का नारा लोगों की मानसिकता का हिस्सा बन चुका है। क्रेडिट कार्ड कंपनियाँ इस मनोविज्ञान को अच्छी तरह समझती हैं। वे आकर्षक ऑफर, कैशबैक, और पॉइंट्स के जरिए ग्राहक को लुभाती हैं। नतीजा यह है कि 2024 तक भारत में सक्रिय क्रेडिट कार्डों की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है। और शहरी युवा वर्ग तो लगभग पूरी तरह इस "प्लास्टिक मनी" संस्कृति पर निर्भर हो गया है।

ऋण का बढ़ता बोझ: 'आसान भुगतान' की कठिन सच्चाई

शुरुआत में क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन लोगों को आर्थिक सुविधा देते हैं — लेकिन धीरे-धीरे यह कर्ज के जाल में बदल जाते हैं। ब्याज दरें 24 से 40 प्रतिशत वार्षिक तक पहुँच जाती हैं, और न्यूनतम भुगतान करते रहने वाले उपभोक्ता कई वर्षों तक कर्ज से बाहर नहीं निकल पाते। RBI के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2024 तक केवल क्रेडिट कार्ड बकाया राशि ही 2.6 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। यह पांच वर्ष पहले की तुलना में लगभग तीन गुना है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय उपभोक्ता अब अपने भविष्य की आय को आज की खपत के लिए गिरवी रख रहा है। इस प्रवृत्ति के सामाजिक दुष्परिणाम भी हैं। परिवारों में आर्थिक तनाव बढ़ रहा है, बचत घट रही है, और अप्रत्याशित खर्च (बीमारी, नौकरी छूटना आदि) की स्थिति में संकट गहराता जा रहा है। "महीने के अंत तक पैसा खत्म" होना अब एक आम अनुभव बन गया है।

वैश्विक तुलना: क्या भारत का कर्ज अनुपात खतरनाक स्तर पर है?

कुछ अर्थशास्त्री तर्क देते हैं कि भारत का 42 प्रतिशत घरेलू ऋण अनुपात अभी भी सुरक्षित है, क्योंकि विकसित देशों में यह कहीं अधिक है — ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में यह अनुपात 100 प्रतिशत से अधिक है, अमेरिका में 75 प्रतिशत, चीन में 63 प्रतिशत। लेकिन यह तुलना अधूरी है। इन देशों में सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्था है — बेरोजगारी भत्ता, पेंशन, हेल्थ इंश्योरेंस और वृद्धावस्था में सुनिश्चित आय जैसी सुविधाएँ। इसके विपरीत भारत में अभी भी अधिकांश लोग अपनी वृद्धावस्था के लिए स्वयं बचत पर निर्भर हैं। ऐसे में बढ़ता कर्ज न सिर्फ वित्तीय जोखिम है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा को भी बढ़ाता है। बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) के अध्ययन के अनुसार, यदि किसी देश का घरेलू कर्ज जीडीपी के 60 प्रतिशत से ऊपर चला जाता है, तो वह आर्थिक विकास को उलटे कदम पर ले जाता है। हर अतिरिक्त प्रतिशत कर्ज जीडीपी की लंबी अवधि की वृद्धि दर को 0.1 प्रतिशत अंक तक कम कर देता है। भारत का रुझान इसी दिशा में बढ़ता दिख रहा है।

उपभोग और विकास का संबंध: अल्पकालिक लाभ, दीर्घकालिक जोखिम

यह सत्य है कि उपभोक्ता खर्च बढ़ने से बाजार में मांग बढ़ती है, जिससे उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है और जीडीपी वृद्धि होती है। परंतु जब यह मांग उधारी पर टिकी हो, तो यह वृद्धि अस्थिर हो जाती है। भारत में फिलहाल उपभोग GDP का लगभग 60 प्रतिशत है। यदि यह उपभोग उधार के पैसों से चल रहा है, तो इसकी स्थिरता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। जैसे ही ब्याज दरें बढ़ेंगी या आय वृद्धि धीमी पड़ेगी, उपभोक्ता भुगतान करने में असमर्थ हो जाएंगे — और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। 2008 की अमेरिकी सब-प्राइम क्राइसिस इसका उदाहरण है। वहाँ भी लोगों ने आसान कर्ज पर मकान और कारें खरीदीं, लेकिन जब भुगतान में चूक हुई तो पूरा वित्तीय तंत्र हिल गया। भारत को इस अनुभव से सीख लेनी चाहिए।

मध्यम वर्ग का रूपांतरण: बचतकर्ता से उपभोक्ता तक

भारतीय मध्यम वर्ग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। वही वर्ग जो पहले घर बनाने, बच्चों की पढ़ाई या शादी के लिए पैसे जोड़ता था, अब ब्रांडेड जीवनशैली का उपभोक्ता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग ऐप्स, "बाय नाउ, पे लेटर" योजनाएँ और मोबाइल ईएमआई ने इच्छाओं को ज़रूरतों में बदल दिया है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली चमकदार जीवनशैली ने "जो दिखता है वही बिकता है" संस्कृति को जन्म दिया है। एक समय था जब "कर्ज लेकर खाना" शर्म की बात मानी जाती थी। अब "कर्ज लेकर घूमना" फैशन है। यह बदलाव सिर्फ अर्थशास्त्र का नहीं, बल्कि संस्कृति का भी है।

ग्रामीण भारत में भी बढ़ता ऋणजाल

पहले यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित थी, लेकिन अब ग्रामीण भारत में भी तेजी से बढ़ रही है। माइक्रोफाइनेंस संस्थान और डिजिटल लोन ऐप्स गाँवों तक पहुँच चुके हैं। ग्रामीण परिवार भी अब मोबाइल फोन, बाइक, टीवी और शादी के खर्च के लिए पर्सनल लोन लेने लगे हैं। NABARD की ग्रामीण वित्त रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में ग्रामीण घरेलू ऋण में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसका अधिकांश हिस्सा गैर-उत्पादक खर्चों में गया। यानी खेती या व्यवसाय के बजाय उपभोग पर कर्ज लिया जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि ग्रामीण भारत की पारंपरिक आत्मनिर्भरता भी अब कर्ज पर निर्भर होती जा रही है।

सरकारी कल्याण योजनाओं में सेंधमारी की चिंताजनक तस्वीर

-डिजिटल सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा बनाना अब अनिवार्य

भारत में कल्याणकारी योजनाएं देश के सामाजिक ताने-बाने की रीढ़ मानी जाती हैं। ये योजनाएं उन करोड़ों लोगों तक राहत पहुंचाती हैं जो गरीबी, बेरोजगारी, आपदा या बुजुर्ग अवस्था में सरकारी मदद पर निर्भर रहते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सामाजिक पेंशन योजना, आपदा राहत सहायता, उज्ज्वला गैस योजना, जनधन योजना या मनरेगा जैसी योजनाएं देश के गरीब तबकों की जीवनरेखा हैं। लेकिन जब इन्हीं योजनाओं में सेंधमारी का सिलसिला शुरू हो जाए और सरकारी सहायता राशि अपराधियों के खातों में चली जाए, तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता — यह समाज के सबसे कमजोर वर्गों के प्रति एक नैतिक अपराध बन जाता है। हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ में एक अन्तरराज्यीय साइबर गिरोह के पकड़े जाने से इस खतरे का गहराई से एहसास हुआ है। यह गिरोह सरकारी कल्याण योजनाओं के डिजिटल ढांचे में सेंध लगाकर किसानों, पेंशनधारकों और आपदा पीड़ितों की मदद के लिए आई राशि को अपने खातों में डाइवर्ट कर रहा था। जांच में सामने आया कि इस गिरोह ने करीब 11 हजार से अधिक फर्जी बैंक खाते बनवाकर योजनाओं की राशि पर कब्ज़ा किया।

फर्जी आईडी से सरकारी सिस्टम में सेंध

इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह था कि अपराधियों ने सरकारी पोर्टल पर किसानों और अधिकारियों की फर्जी आइडी बनाकर सिस्टम को धोखा दिया। कुछ मामलों में तो एक ही मोबाइल नंबर से 95 किसानों की आईडी बनाई गईं। जब इतने बड़े पैमाने पर एक ही नंबर से इतनी रजिस्ट्रेशन हो रही थीं, तो यह सवाल उठना लाज़िमी है कि सिस्टम की मॉनिटरिंग और वेरीफिकेशन प्रक्रिया आखिर क्यों फेल हो गई? रिपोर्टों के मुताबिक, मणिपुर में एक महीने के बच्चे के नाम पर किसान सम्मान निधि जारी की गई। एक महिला के खाते में 15 अलग-अलग सरकारी योजनाओं की रकम जमा हो गई। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि सिस्टम की जांच और डेटा फिल्टरिंग व्यवस्था में बेहद खतरनाक खामियां मौजूद हैं।

सरकारी योजनाओं का डिजिटलीकरण: वरदान या चुनौती?

सरकार ने बीते एक दशक में कल्याणकारी योजनाओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) से जोड़ने का बड़ा कदम उठाया था। इस कदम से भ्रष्टाचार, बिचौलियों और फर्जी लाभार्थियों पर लगाम लगाने की उम्मीद की गई थी। शुरुआत में इसका अच्छा असर भी दिखाई दिया — लाभ सीधे लोगों के बैंक खातों में पहुंचने लगा, पारदर्शिता बढ़ी और करोड़ों रुपये की बचत हुई। लेकिन अब वही डिजिटल सिस्टम साइबर अपराधियों के निशाने पर है। पहले जहां नकली दस्तावेजों से ठगी होती थी, अब डिजिटल पहचान चोरी (Identity Theft), फिशिंग, OTP फ्रॉड, बैंकिंग मैलवेयर और डेटा ब्रीच जैसे तरीके अपनाए जा रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि सरकार का सबसे भरोसेमंद और पारदर्शी समझा जाने वाला DBT सिस्टम भी अब असुरक्षित नज़र आने लगा है।

साइबर अपराधियों का नया नेटवर्क

झालावाड़ की घटना यह भी दिखाती है कि अब साइबर अपराध संगठित गिरोहों के रूप में विकसित हो चुके हैं। ये गिरोह न केवल देश के अलग-अलग राज्यों में फैले हैं बल्कि इनमें बैंकिंग एजेंट, पंचायत कर्मचारी, डेटा एंट्री ऑपरेटर और कुछ सरकारी कर्मचारी तक शामिल हैं। यही वजह है कि अपराधी सरकारी सर्वर से डेटा चुराने और योजनाओं में हेराफेरी करने में सफल हो जाते हैं। इस नेटवर्क की तकनीकी क्षमता इतनी बढ़ चुकी है कि ये लोग आधार, बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की आपस में लिंकिंग का दुरुपयोग करते हैं। सरकारी पोर्टलों पर लॉगिन करके फर्जी लाभार्थियों का डेटा दर्ज किया जाता है और फिर पैसा ट्रांसफर होते ही तुरंत निकाल लिया जाता है।

जनता के भरोसे पर चोट

यह मामला सिर्फ आर्थिक नुकसान का नहीं है। यह जनता के सरकारी सिस्टम पर विश्वास पर सीधा हमला है। सरकार की कल्याण योजनाएं गरीब, बुजुर्ग, किसान, विधवा और विकलांग नागरिकों के लिए आशा की किरण हैं। जब वही योजनाएं अपराधियों के हाथों की कठपुतली बन जाएं, तो गरीब का सरकार पर भरोसा टूट जाता है। यह भरोसा टूटना किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। क्योंकि जब आम नागरिक को यह एहसास होता है कि सरकार उसके लिए नहीं, बल्कि सिस्टम के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों और बाहरी गिरोहों के लिए काम कर रही है, तो लोकतांत्रिक शासन की नैतिक बुनियाद हिल जाती है।

साइबर सुरक्षा: अब सामाजिक सुरक्षा की पहली शर्त

आज हर सरकारी योजना तकनीकी प्लेटफॉर्म पर आधारित है — चाहे वह किसान सम्मान निधि हो, जनधन योजना हो या पेंशन भुगतान। ऐसे में साइबर सुरक्षा अब सिर्फ एक तकनीकी विषय नहीं रही, बल्कि यह सामाजिक सुरक्षा की पहली शर्त बन चुकी है। सरकार को अब यह मानना होगा कि अगर डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुरक्षा कमजोर रही, तो कल्याणकारी योजनाओं का पूरा ढांचा अपराधियों के लिए "खुला एटीएम" बन जाएगा।

इस दिशा में कुछ ठोस कदम जरूरी हैं:

डेटा ऑडिट और एनालिटिक्स: हर योजना के पोर्टल पर समय-समय पर डेटा ऑडिट हो। अगर किसी मोबाइल नंबर या बैंक खाते से असामान्य संख्या में लाभार्थी जुड़े हैं, तो सिस्टम तुरंत अलर्ट दे।

AI आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की मदद से संदिग्ध लेनदेन की स्वतः पहचान हो सके।

धर्मांतरण विरोधी कानून: कमजोर तबकों की सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का सशक्त कदम

-लोकतांत्रिक अनुशासन और धार्मिक स्वतंत्रता का संतुलन

राजस्थान विधानसभा में पारित 'विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025' ने पूरे देश में नई बहस छेड़ दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा लाया गया यह कानून केवल एक विधायी निर्णय नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है — उस भारत की मूल आत्मा को सशक्त करने का प्रयास, जहाँ आस्था की स्वतंत्रता के साथ-साथ समाज में अनुशासन, नैतिकता और संतुलन का भी सम्मान हो। भारत की पहचान सदियों से विविधता में एकता की रही है। यहाँ अनेक धर्म, पंथ और संस्कृतियाँ साथ-साथ फली-फूली हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में धर्मांतरण के नाम पर छल, प्रलोभन, भय और दबाव की घटनाओं ने सामाजिक सौहार्द को गहरी चोट पहुँचाई है। इसीलिए राजस्थान का यह कानून सिर्फ कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का सशक्त औजार है।

संविधान की भावना और धर्मांतरण की सीमा

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह अपनी इच्छानुसार किसी भी धर्म को मान सके, उसका प्रचार कर सके और उसका पालन कर सके। लेकिन इस अधिकार के साथ एक शर्त भी जुड़ी है — यह स्वतंत्रता "सार्वजनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य और नैतिकता" के अधीन होगी। यानी कि कोई भी व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर समाज की शांति, नैतिकता या किसी दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकता। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने 1977 में "रेव. स्टेनिस्लॉस बनाम मध्यप्रदेश राज्य" मामले में यह ऐतिहासिक टिप्पणी की थी — "धर्म प्रचार करना संवैधानिक अधिकार है, लेकिन किसी को बलपूर्वक, धोखे से या प्रलोभन देकर धर्म बदलवाना इस अधिकार के दायरे में नहीं आता।" राजस्थान का नया कानून इसी संवैधानिक व्याख्या को धरातल पर उतारता है। यह कानून धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया को कानूनी रूप से नियंत्रित करता है, ताकि कोई भी व्यक्ति किसी भय, लालच या धोखे का शिकार न हो।

धर्मांतरण के पीछे की प्रवृत्तियाँ और उनका प्रभाव

आज के दौर में धर्मांतरण केवल आस्था का विषय नहीं रहा, बल्कि यह कई बार संगठित और योजनाबद्ध सामाजिक-राजनीतिक गतिविधि का रूप ले चुका है। गरीब, असहाय और अशिक्षित तबकों को शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा या विवाह के बहाने धर्म बदलने को प्रेरित किया जाता है। कई बार आर्थिक सहायता या जीवन सुरक्षा के लालच में लोगों को अपनी पारंपरिक आस्था से दूर कर दिया जाता है। राजस्थान के विजयनगर में हाल ही में हुई घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ कुछ विद्यार्थियों को ब्लैकमेल कर धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। ऐसी घटनाएँ न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन हैं, बल्कि सामाजिक विश्वास की जड़ों पर चोट करती हैं। भारत जैसे बहुलतावादी देश में जबरन धर्मांतरण के ये प्रयास समाज में अविश्वास, वैमनस्य और विभाजन की भावना को जन्म देते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल संविधान की भावना के विपरीत है, बल्कि देश की सांस्कृतिक एकता को भी कमजोर करती है।

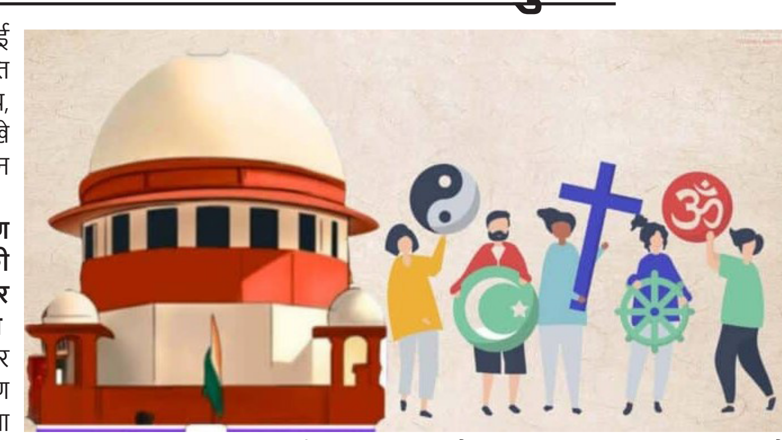

राजस्थान के नए कानून की प्रमुख विशेषताएँ

'विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025' कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इसमें निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं: जबरन धर्मांतरण अपराध घोषित — यदि कोई व्यक्ति बल, भय, प्रलोभन या छल से किसी का धर्म परिवर्तन कराता है, तो यह संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध होगा। सज़ा का प्रावधान — दोषी पाए जाने पर 3 से 10 वर्ष तक की सज़ा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा — महिलाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों और नाबालिगों को विशेष सुरक्षा दी गई है। इनके साथ जबरन धर्मांतरण के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान है। पूर्व सूचना और अनुमति आवश्यक — यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म बदलना चाहता है, तो उसे 30 दिन पूर्व जिला मजिस्ट्रेट को सूचना देनी होगी। धर्मांतरण के बाद सत्यापन प्रक्रिया — प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि धर्म परिवर्तन स्वेच्छा से हुआ है या नहीं। संस्थागत जिम्मेदारी — किसी संगठन या संस्था के माध्यम से धर्मांतरण कराने पर उसके संचालक और प्रबंधक को भी जिम्मेदार माना जाएगा। इन प्रावधानों से स्पष्ट है कि सरकार ने धर्मांतरण के नाम पर होने वाली अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की ठोस कोशिश की है।

लोकतांत्रिक अनुशासन और धार्मिक स्वतंत्रता का संतुलन

भारत का लोकतंत्र केवल अधिकारों पर नहीं, बल्कि कर्तव्यों पर भी आधारित है। धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार तभी सार्थक है, जब वह दूसरों की स्वतंत्रता को आहत न करे। धर्म प्रचार का उद्देश्य मानवता, नैतिकता और सह-अस्तित्व की भावना को बढ़ाना होना चाहिए, न कि किसी को भय या प्रलोभन से अपने मत में झुकाना। राजस्थान सरकार ने इस कानून के माध्यम से यह संदेश दिया है कि लोकतंत्र का अर्थ अराजक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अनुशासित स्वतंत्रता है। एक ओर यह नागरिकों की आस्था की रक्षा करता है, तो दूसरी ओर कमजोर तबकों को संगठित छल से बचाता है।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और अन्य राज्यों के उदाहरण

राजस्थान से पहले उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में भी धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किए जा चुके हैं। हर राज्य ने अपने सामाजिक परिवेश के अनुरूप इसमें संशोधन किए हैं, लेकिन उद्देश्य एक ही रहा — "किसी को भी उसकी इच्छा के विरुद्ध धर्म बदलने के लिए बाध्य न किया जाए।" उत्तरप्रदेश के 'विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021' ने "लव जिहाद" जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाई। इसी तरह मध्यप्रदेश में कानून ने उन संगठनों पर रोक लगाई, जो आर्थिक सहायता के बहाने धर्मांतरण के नेटवर्क चला रहे थे। राजस्थान का कानून इन राज्यों से प्रेरणा लेकर और अधिक संतुलित रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें न केवल कानूनी प्रावधान हैं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी और सामाजिक जागरूकता को भी शामिल किया गया है।

कानून के सामाजिक निहितार्थ

धर्मांतरण विरोधी कानून समाज में कई सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है — कमजोर वर्गों की सुरक्षा — गरीब और असहाय लोगों को अब किसी आर्थिक या सामाजिक प्रलोभन का शिकार नहीं बनना पड़ेगा।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026

-नोबेल विजेता एस्तेर डुफलो सहित नामचीन वक्ताओं की दूसरी सूची जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक आयोजनों में से एक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) ने अपने 19वें संस्करण के लिए वक्ताओं की दूसरी सूची जारी की है। वेदांता की प्रस्तुति में आयोजित होने वाला यह भव्य आयोजन 15 से 19 जनवरी 2026 तक जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में होगा।फेस्टिवल इस बार भी साहित्य, कला, इतिहास, विज्ञान और विचारों के विविध रंगों को एक मंच पर लाएगा। जारी सूची में देश-विदेश के कई चर्चित नाम शामिल हैं।मुख्य वक्ताओं में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री एस्तेर डुफलो, पुरस्कृत पत्रकार तान्या तलागा, सर्न, जिनेवा की वरिष्ठ भौतिक विज्ञानी डॉ. अर्चना शर्मा और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन प्रमुख हैं। इसके अलावा आयरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री लियो वराडकर, कला इतिहासकार डेबरा डायमंड, व्यंग्यकार इयान हिसलोप, कवि जीत थायिल, बुकर पुरस्कार विजेता किरण देसाई और प्रकृति कवि एलिस ओसवाल्ड भी इसमें शामिल होंगे। फेस्टिवल की सूची में अश्विन सांघी, नारायणी बसु, ऋजुता दिवेकर, स्टीफन अल्टर, तारिणी मोहन, विलियम सीघार्ट, वोल्गा, कुंजांग चोडेन रोडर और एंड्रयू ग्राहम-डिक्सन जैसे नाम भी हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में ख्याति प्राप्त हैं। जेएलएफ की सह-निदेशक नमिता गोखले ने कहा, "दुनिया का सबसे बड़ा साहित्यिक उत्सव फिर से जयपुर लौट रहा है। यह हमारी विभाजित दुनिया में संवाद और साहित्यिक विचारों का एक अहम मंच है। इस बार की सूची भारतीय और वैश्विक साहित्य की विविधता को दर्शाती है।"सह-निदेशक विलियम डेलरिम्पल ने कहा, "इस साल हमारे पास अब तक की सबसे खास सूची है, जिसमें विश्व के प्रतिष्ठित लेखक, विचारक, कवि और व्यंग्यकार शामिल हैं। 2026 का जयपुर अनुभव अविस्मरणीय रहेगा।" टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजॉय के रॉय ने कहा, "जेएलएफ सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि विचारों और कहानियों को जोड़ने का माध्यम है। यह स्वतंत्र अभिव्यक्ति और विविधता का प्रतीक है।" वेदांता रिसोर्सेज की निदेशक प्रिया अग्रवाल ने कहा, "फेस्टिवल के साथ हमारी साझेदारी रचनात्मकता और संवाद की उस शक्ति को सम्मान देती है जो समाज को एकजुट करती है। यह विविध आवाज़ों और प्रगति को आगे बढ़ाने वाला मंच है।"

साहित्य और संगीत का संगम- फेस्टिवल के साथ हेरिटेज संध्याएँ जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों पर संगीत, कविता और कला प्रस्तुत करेंगी, जबकि जयपुर म्यूजिक स्टेज भारतीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियों से सजेगा। इसी दौरान जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) प्रकाशन जगत के पेशेवरों को नेटवर्किंग और सहयोग का मंच देगा।अपने 19वें वर्ष में प्रवेश कर रहा जेएलएफ अब भी एक सुगम, समावेशी और विचारों से भरा मंच बना हुआ है, जहाँ लेखक, विचारक और पाठक मिलकर कहानियों और संवाद की शक्ति का उत्सव मनाते हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन के साथ किया पैदल मार्च

-आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करने में निभाएं अपनी भूमिका - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी के बाद रियासतों का विलय कर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया था। सरदार पटेल ने लोगों के दिल में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना जगाई। उनका लक्ष्य एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जो विविधता में एकता का प्रतीक हो और यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे हर परिस्थिति में राष्ट्र हित और राष्ट्रीय एकता को सर्वोपरि रखें, जिससे एक सशक्त तथा आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो।

शर्मा शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 'सरदार@150' के तहत आयोजित 'एकता मार्च' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में 560 से अधिक रियासतों में से कुछ रियासतें अपने स्वतंत्र अस्तित्व में रहना चाहती थीं। सरदार पटेल ने रियासतों के राजाओं को कहा कि एक संगठित और संयुक्त भारत में ही प्रजा का भविष्य सुरक्षित है। कुछ राजाओं ने स्वेच्छा से विलय किया, तो कुछ को राजनीतिक दबाव की जरूरत पड़ी। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व से जूनागढ़ एवं हैदराबाद जैसी रियासतें भी भारत का अभिन्न अंग बन गई। उनकी दृढ इच्छाशक्ति से ही आधुनिक भारत की परिकल्पना संभव हो पाई।

मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ किया 3 किलोमीटर पैदल मार्च- एकता मार्च के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज हाथ में थामे गांधी सर्किल से अमर जवान ज्योति तक 3 किलोमीटर का सफर तय कर लगभग 40 मिनट तक जनप्रतिनिधियों एवं आमजन के साथ पैदल मार्च किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनता ने मुख्यमंत्री के साथ पूरे जोश और उत्साह से पैदल मार्च में हिस्सा लिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति और एकता के नारों के साथ वातावरण गुंजायमान हो उठा। आमजन ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का जेडीए तथा रामबाग सर्किल पर स्वागत-अभिनंदन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों, खिलाडियों, पुलिस आरएसी के जवानों, एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स, स्काउट गाइड, विश्वविद्यालय तथा कॉलेज के छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में आमजन ने पैदल मार्च किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाकर सरदार पटेल को दी सच्ची श्रद्धांजलि- शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल की केवल कश्मीर में नहीं मानी गईं और वहां धारा 370 जैसा कानून लगा दिया गया था। लेकिन आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल का वह अधूरा सपना पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटा कर वहाँ शांति और विकास का मार्ग खोल दिया। जम्मू-कश्मीर भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग है और यह सरदार पटेल को सही मायने में सच्ची श्रद्धांजलि है।

हमारी सरकार युवाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने पिछले दो वर्षों में 91 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं और डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। साथ ही, युवा उद्यमियों को 140 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि वे पूरी मेहनत के साथ तैयारी करें, सरकार आपके साथ खड़ी है।

स्वास्थ्य के प्रति सजग दिखा जयपुर, एक ही दिन में हुई 2 लाख से एनसीडी स्क्रीनिंग

- बड़ी तादाद में लोगों ने कतारों में लग कर करवाई अपने स्वास्थ्य की जांच

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर में शुक्रवार को आयोजित एक-दिवसीय एनसीडी स्क्रीनिंग महा-अभियान में एक ही दिन में 2 लाख से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग की गई। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में आयोजित इस विशेष अभियान में चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों ने सभी चिकित्सा संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ स्कूलों, उद्यानों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों की एनसीडी स्क्रीनिंग की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत एवं जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जिले प्रशासन की इस पहल को आमजन का अभूतपूर्व समर्थन मिला, सुबह से ही चिकित्सा संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य केन्द्रों पर नागरिकों ने स्क्रीनिंग करवाई। इस दौरान चिकित्साकर्मियों द्वारा आमजन की हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियों की जांच की। वहीं, एनसीडी स्क्रीनिंग महा-अभियान के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला स्तरीय अधिकारियों एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने स्क्रीनिंग केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया। इसी क्रम में मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में आमजन की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई और हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमे आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. शेखावत व डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जिला प्रशासन की यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की टीम भावना और आमजन की जागरूकता का परिणाम है। एनसीडी स्क्रीनिंग

अभियान 'निरामय राजस्थान' संकल्प की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हुआ है। इस महाअभियान का मुख्य उद्देश्य रोगों की प्रारंभिक पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि आमजन निरोगी जीवन की ओर अग्रसर हो सकें। उन्होंने बताया कि अभियान में आशा सहयोगिनियों, सीएचओ, एएनएम, नर्सिंग स्टाफ एवं महिला आरोग्य समितियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और अधिक से अधिक लोगों को जांच के लिए प्रेरित किया। शहरी क्षेत्रों में महिला आरोग्य समितियों के सहयोग से अपार्टमेंट, हाईराइज बिल्डिंग एवं गेटेड टाउनशिप में विशेष जांच शिविर लगाए गए, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा टीमों ने घर-घर जाकर लोगों को जांच के लिए जागरूक किया। अभियान की मॉनिटरिंग जिला एवं ब्लॉक स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई तथा सभी जांच का ऑनलाइन इंद्राज एनसीडी एमओ पोर्टल पर किया गया। दोनों मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने जिलेवासियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आपकी सक्रिय भागीदारी से यह अभियान सफल हुआ है। नियमित स्वास्थ्य जांच करवाकर हम सब मिलकर स्वस्थ और जागरूक राजस्थान का निर्माण कर सकते हैं।

जयपुर में एकता दौड़ के साथ डीजीपी ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

-पुलिस प्रमुख राजीव शर्मा सहित सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने लिया संकल्प

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जयपुर में राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए एक भव्य रन फॉर यूनिटी (राष्ट्रीय एकता दौड़) का आयोजन किया गया। इस दौड़ में महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा सहित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौड़ का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए नागरिकों को प्रेरित करना है। यह एकता दौड़ शहर के प्रमुख स्थानों से होकर गुजरी। गांधी सर्किल से शुरू हुई यह

दौड़ बिड़ला मंदिर, रामबाग और अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति पर समाप्त हुई। दौड़ में शामिल सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता और सद्भाव का संदेश देते हुए जोड़ा गया, जिसने जयपुर शहर में एक सकारात्मक और देशभक्तिपूर्ण माहौल का निर्माण किया।

पुलिस मुख्यालय में शपथ ग्रहण समारोह— दौड़ के सफल समापन के तुरंत बाद डीजीपी राजीव शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जहाँ उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस शपथ में सभी ने एकजुटता और देश की संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया। पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सर्वश्री हवा सिंह घुमरिया, बीजू जार्ज जोसेफ, रूपिंदर सिंह, भूपेंद्र साहू, बी एल मीणा तथा पुलिस महानिरीक्षक प्रफुल्ल कुमार शामिल थे। इन सभी वरिष्ठ अधिकारियों सहित पुलिस मुख्यालय में कार्यरत अन्य सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

मनोहरपुर में गूंजा राष्ट्रभक्ति का जोश:

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'Run For Unity' आयोजन, जवानों ने ली अखंडता की शपथ!

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शुक्रवार सुबह थाना मनोहरपुर की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 'Run For Unity' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सुबह की ठंडी हवाओं में जब दौड़ की शुरुआत सरस्वती कॉलेज से हुई दौड़ टोल प्लाजा तक पहुंची, जहां समापन के साथ ही देशभक्ति का माहौल चरम पर था। कार्यक्रम में शाहपुरा एएसपी डॉ. तेजपाल सिंह, थानाधिकारी भगवान सहाय, भाजपा नेता उपेन यादव, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, सुरक्षा सखी, पुलिस जवान और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान मार्ग में जगह-जगह एकता और अखंडता के संदेशों वाला बैनर, पोस्टर साथ लेकर रवाना हुए। जिन्होंने लोगों में देशप्रेम का जज़्बा संदेश दिया। वही समापन पर थाना परिसर में एसएचओ भगवान सहाय ने सभी पुलिस कर्मियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। इस दौरान एसएचओ भगवान सहाय ने कहा देश की ताकत उसकी एकता में है, और यही संदेश आज की इस दौड़ ने जन-जन तक पहुंचाया है।

अल्पसंख्यक छात्रावास अधीक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, जयपुर द्वारा अल्पसंख्यक छात्रावास एवं आवासीय विधालय के छात्रावास अधीक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधीक्षकों को छात्रावास प्रबंधन, विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक समझ, अनुशासन, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता के प्रति और अधिक सक्षम बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि "अधीक्षक केवल छात्रावास के प्रशासक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं। उनका व्यवहार ही छात्रावास की संस्कृति निर्धारित करता है।" प्रशिक्षण के पहले दिन अधीक्षकों को विभागीय नीतियों, छात्रावास संचालन की मानक प्रक्रिया, शिकायत निवारण प्रणाली और संवेदनशीलता आधारित प्रबंधन की जानकारी दी गई। दूसरे दिन का सत्र विद्यार्थी अनुशासन, संवाद कौशल और परामर्श विधियों पर केंद्रित रहा। अंतिम दिन अधीक्षकों को नेतृत्व, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि छात्रावास को समाज, विद्यालय और अभिभावकों से जोड़कर विद्यार्थियों के समग्र विकास का वातावरण तैयार किया जाए। अधीक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें नई दिशा और ऊर्जा मिली है जिसे वे अपने-अपने छात्रावासों में लागू करेंगे।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर मेघराज मीणा सहित सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर को देश भर मे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप मे मनाया जाता है।

साइबर अपराधों से बचाव और ट्रैफिक नियमों की दी सीख

-मनोहरपुर में पुलिस का सराहनीय अभियान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे की पी.एम. श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनोहरपुर में शुक्रवार को साइबर जागरूकता एवं यातायात सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा डॉ. तेजपाल सिंह एवं थानाधिकारी भगवान सहाय मीणा ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और यातायात नियमों की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। वही कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि इंटरनेट का जिम्मेदारी से उपयोग करना, संदिग्ध लिंक या अज्ञात कॉल से सतर्क रहना, और सड़क पर हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

पुलिस अधिकारियों ने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि छोटी सी लापरवाही कैसे बड़े अपराध या हादसे में बदल सकती है। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे जिनका अधिकारियों ने सरल और प्रभावशाली ढंग से उत्तर दिया। विद्यालय परिवार ने पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान से युवाओं में सुरक्षा, अनुशासन और

जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है। मनोहरपुर क्षेत्र में पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह जनजागरण अभियान जनहित में सराहनीय कदम माना जा रहा है। ग्रामीणों और शिक्षकों ने भी पुलिस की इस पहल की खुलकर प्रशंसा की।

जयपुर में इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

-PCC चीफ गोविंद सिंह डोटासरा बोले — "देश में अघोषित आपातकाल, आरएसएस चला रहा है सरकार"

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के बलिदान दिवस तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विधायक, विधायक प्रत्याशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जिन्होंने पूरे विश्व में देश की मजबूत छवि को कायम करते हुये पाकिस्तान के दो टुकड़े किये तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जिन्होंने देश के एकीकरण के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया उनके दिखाये मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुये समस्त कृतज्ञ राष्ट्र इन नेताओं को श्रद्धांजलि दे रह है। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बात करने से भी इंकार कर दिया और पाकिस्तान को सबक सिखाते हुये सैन्य कार्यवाही कर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिये थे और आज भारत के मौजूदा प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आ गये और पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश में विचित्र हालात उत्पन्न हो गये हैं क्योंकि जो आरएसएस देश की जनता से वोट नहीं लेता है, जनता के प्रति उसकी कोई जवाबदेही नहीं है, वे सरकारों पर अंकुश लगा रहे हैं और अपना आधिपत्य जमाये

हुये बैठे हैं और इस प्रकार से शासन कर रहे हैं जैसे जनता ने उन्हें चुना हो। राजस्थान स्वतंत्र राज्य है जिसे आरएसएस ने केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया है जहाँ केन्द्र की इच्छा के बगैर कुछ नहीं हो सकता है। प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह से हावी है, जिसे कोई भय नहीं है, मुख्यमंत्री और मंत्रियों की भी सुनवाई नौकरशाही नहीं कर रही है, ऐसे में आम जनता की स्थिति तो सोचनीय हो गई है। आज की परिस्थिति में आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जैसा साहस, अनुशासन, दूरदृष्टि, पक्का इरादा का नारा जो उन्होंने दिया उसके अनुरूप हर कांग्रेस कार्यकर्ता को कार्य करना होगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी से प्रेरणा लेकर उनके सदगुणों को अपनाते हुये सभी कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता उनके दिखाये मार्ग पर चलते हुये देश की मजबूती के लिये कार्य करेंगे तथा जिस प्रकार नेता विपक्ष राहुल गाँधी लगातार निडरता के साथ केन्द्र सरकार की गलत नीतियों को लेकर विरोध कर रहे हैं उसी प्रकार सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को काम करना होगा।डोटासरा ने कहा कि भाजपा देश में वोट चोरी कर सरकार पर काबिज हो रही है, एजेन्सियों का दुरूपयोग किया जा रहा है, आज देश में अघोषित आपातकाल लगा हुआ है, संवैधानिक प्रावधानों के विरूद्ध यदि कोई मीडिया का व्यक्ति सरकार के विरूद्ध खबर चला दे, कोई व्यक्ति सरकार के विरूद्ध ट्विट कर दे तो उसके विरूद्ध मुकद्मा चला दिया जाता है, कोई नेता अथवा कोई नागरिक सरकार की नीतियों के विरूद्ध अपनी बात रखे तो ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई की कार्यवाही करवा दी जाती है। प्रदेश में तो हालात बदतर हो गये क्योंकि पहले एक डीजी पुलिस हुआ करता था, लेकिन अब एक डीजी पर दूसरा डीजी और डीजी पर डीजी लगाये गये हैं जिससे प्रदेश के कानून-व्यवस्था रसातल में चली गई और इसके लिये मुख्यमंत्री जिम्मेदार है, क्योंकि यह अपने विवेक से कोई कार्य नहीं कर रहे हैं बल्कि केन्द्र से आई पर्ची के आधार पर ही निर्णय ले रहे हैं। पुलिस मुख्यालय और डीजी का इकबाल होता था, उसके निर्देशन में ही सब कार्य करते थे, लेकिन किन्तु अब विभिन्न डीजी लगा दिये हैं और सारी व्यवस्था चौपट हो गई है। आज स्थिति यह है कि मंत्री दौरे पर जाते हैं तो उनसे मिलने पाँच लोग भी नहीं आते हैं क्योंकि आम जनता ही नहीं भाजपा कार्यकर्ताओं को भी ऐसा विश्वास नहीं है कि उनके वाजिब और जरूरी काम सरकार में हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। प्रदेश में समस्त कार्यों के ठेके गुजरात की कम्पनियों अथवा दिल्ली दरबार में हाजिरी देने वालों को दिये जा रहे हैं और मंत्री बिना किसी विरोध के सांठ-गांठ कर यह ठेके दे रहे हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

गीतांजली डेंटल कॉलेज में गूंजा नशामुक्त भारत का संदेश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के "नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत अभियान" के अंतर्गत जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, गीतांजलि डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उदयपुर द्वारा 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक विविध जनजागरण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता लाना एवं एक स्वस्थ और खुशहाल समाज की दिशा में कदम बढ़ाना रहा। अभियान के तहत सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने "नशा न करने और दूसरों को भी न करने देने" की शपथ ली। कॉलेज परिसर में नशा विरोधी शैक्षणिक पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया जिससे छात्रों में जागरूकता का संचार हुआ। साथ ही कॉलेज परिसर में एक मौन रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने प्लेकार्ड्स और संदेशों के माध्यम से नशामुक्त जीवन का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों द्वारा नशे के दुष्प्रभावों एवं नशा छोड़ने के उपायों पर शैक्षणिक व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनसे विद्यार्थियों को सही दिशा में सोचने की प्रेरणा मिली। जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग के इस प्रयास की सभी स्तरों पर सराहना की गई। संस्थान के प्राचार्य, डॉ. बालाजी मनोहर ने विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की गतिविधियों में डॉ. मृदुला टाक, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. श्रुति शर्मा, डॉ. तरुण माली एवं नितिन गोस्वामी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

गोपाष्टमी राम गौशाला में धूमधाम से हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। गोपाष्टमी पर राजस्थान के गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशानुसार जिले के सुमेरपुर उपखंड क्षेत्र सभी पात्र गौशालाओं में उत्सव मनाया गया है, इसी क्रम में सुमेरपुर उपखंड क्षेत्र की सभी गौशालाओं में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। राम गौशाला कोलीवाड़ा, नंदीश्वर गौशाला वह महावीर गौशाला नोवी, 36 गौशाला सुमेरपुर, समेत सभी गौशालाओं में गौमाता का विधि-विधान से पूजन कर लापसी का प्रसाद अर्पित किया गया। राम गौशाला कोलीवाड़ा में अध्यक्ष धीरज सांखला नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन समारोहपूर्वक हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गौसेवक व समाजसेवी उपस्थित रहे। गौशाला अध्यक्ष धीरज सांखला ने जानकारी दी कि गोपाष्टमी के पावन पर्व पर गंगा देवी धर्मप.त्नी चंपालाल चांदोरा परिवार द्वारा लगभग चार क्विंटल लापसी का प्रसाद बनवाया गया। साथ ही गौपालक कर्मचारियों को वस्त्र-दक्षिणा देकर उनका सम्मान किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में कम से कम एक गौमाता का पालन अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में नीलकंठ महादेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भवानीसिंह राठौड़, चत्रभुजु शर्मा, भंवरलाल परमार, चंपालाल चांदोरा, सुरेश भाई अग्रवाल, शिवलाल माली समेत अनेक पदाधिकारी, भामाशाह परिवार के सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डेंगू और मलेरिया से बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है- डॉ. सुमीत गर्ग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हर साल बरसात के मौसम के बाद डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियाँ हमारे समाज के सामने बड़ी चुनौती बनकर आती हैं। मच्छरजनित ये दोनों बीमारियाँ लापरवाही और स्वच्छता की कमी के कारण तेजी से फैलती हैं। जागरूकता और सामूहिक प्रयास ही इन पर नियंत्रण का सबसे प्रभावी उपाय हैं। डेंगू और मलेरिया दोनों ही बीमारियाँ मच्छरों के काटने से फैलती हैं। जिसमें कि डेंगू एडीज एजिप्टी (Aedes aegypti) मच्छर के काटने से होता है, जो दिन में काटता है और साफ पानी में पनपता है। मलेरिया एनोफिलीज (Anopheles) मच्छर के काटने से फैलता है, जो रात में काटता है और अक्सर गंदे या स्थिर पानी में पनपता है। हमारी सिर्फ एक छोटी सी गलती जैसे खुले में पानी जमा रहना , कूलर या टंकी की सफाई न करना सैकड़ों मच्छरों के पनपने के लिए पर्याप्त होती है। डेंगू और मलेरिया के लक्षणों को पहचानना अत्यंत आवश्यक है जिसमें कि डेंगू के लक्षण जैसे कि तेज बुखार, सिर दर्द, आँखों के पीछे दर्द, शरीर व जोड़ों में दर्द, त्वचा पर लाल दाने, प्लेटलेट्स की कमी, और कभी-कभी उल्टी या पेट दर्द। इसके साथ-साथ डेंगू के रूप डेंगू हेमोरेजिक फीवर व डेंगू शॉक सिंड्रोम हैं जो कि डेंगू के गंभीर रूप हैं। हेमोरेजिक फीवर में शरीर के अंदर-बाहर रक्तस्राव (bleeding) शुरू हो जाता है, मसूड़ों, नाक या पेशाब में खून आ सकता है। डेंगू शॉक सिंड्रोम में शरीर में तरल पदार्थ की भारी कमी हो जाती है, रक्तचाप गिर जाता है, और मरीज बेहोशी, ठंडे हाथ-पैर व तेज धड़कन जैसी स्थिति में पहुँच सकता है। ये दोनों स्थितियाँ जानलेवा हो सकती हैं यदि तुरंत चिकित्सा सहायता न मिले। मलेरिया के कई प्रकार होते हैं, भारत में मुख्यतः प्लाज्मोडियम वाइवेक्स व प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम जिनमें कि प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम सबसे खतरनाक है। मलेरिया बुखार के लक्षणों में मुख्यतः ठंड लगना, तेज बुखार, पसीना, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, पीलिया और अत्यधिक कमजोरी इत्यादि है इसके साथ-साथ सेरेब्रल मलेरिया मलेरिया का एक घातक रूप है इसमें परजीवी मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है। मरीज को बेहोशी, दौरे (seizures), उलझन, और कोमा तक हो सकता है। यदि उपचार में देरी हो जाए तो यह स्थिति जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। अतः तेज बुखार होने पर सही देखभाल से बड़ा बचाव हो सकता है इस हेतु अत्यधिक तरल पदार्थों का सेवन करें नारियल पानी, नींबू पानी, सूप, जूस, ओआरएस घोल, सादा पानी आदि दिनभर में बार-बार लें, वसायुक्त और भारी भोजन से बचें, हल्का सुपाच्य और पौष्टिक भोजन करें, आराम करें शरीर को पर्याप्त विश्राम दें, अत्यधिक परिश्रम या तनाव न लें, प्लेटलेट्स घटने पर घबराएँ नहीं, चिकित्सक की सलाह के अनुसार परीक्षण और उपचार कराएँ। स्वयं दवा न लें, विशेष रूप से दर्द या बुखार की गोलियाँ बार-बार न खाएँ। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों में बुखार आने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। डेंगू और मलेरिया से बचाव किया जा सकता है इस हेतु घर, छत और आस-पास पानी जमा न होने दें कूलर, टंकी, गमले, बोतल, टायर आदि हर हफ्ते साफ करें , मच्छरदानी और रैपेलेंट (लोशन/कॉइल/स्प्रे) का नियमित प्रयोग करें। पूरे बदन को ढकने वाले कपड़े पहनें, खासकर बच्चों को दिन में भी ढककर रखें , घर और गलियों की स्वच्छता बनाए रखें , नगरपालिका द्वारा की जा रही फॉगिंग या छिड़काव अभियानों में सक्रिय सहयोग दें। डेंगू और मलेरिया से बचाव में समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है इन बीमारियो का जागरूकता ही असली रक्षा कवच है। इन बीमारियों पर काबू सिर्फ अस्पतालों या डॉक्टरों से नहीं पाया जा सकता; इसके लिए समाज के हर व्यक्ति की भूमिका जरूरी है स्कूलों, कॉलोनियों और पंचायतों में स्वच्छता व मच्छर नियंत्रण अभियान चलाएं, स्वास्थ्य शिविरों, सोशल मीडिया और स्थानीय कार्यक्रमों के माध्यम से सही जानकारी साझा करें। स्वयं उदाहरण बनें घर में और आसपास किसी भी जगह पानी जमा न होने दें। याद रखें, एक व्यक्ति की लापरवाही पूरे मोहल्ले के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती है और एक व्यक्ति की जागरूकता पूरे समाज को सुरक्षित रख सकती है। डेंगू और मलेरिया दोनों रोकथाम योग्य लेकिन संभावित रूप से जानलेवा बीमारियाँ हैं। थोड़ी सी सावधानी सही समय पर जांच, पर्याप्त तरल पदार्थों का सेवन और स्वच्छता की आदतें इन बीमारियों से हमें और हमारे परिवार को सुरक्षित रख सकती हैं।

सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन 3 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक

-ग्राम, ब्लॉक, विधानसभा व लोकसभा स्तर पर किए जाएंगे आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिले में सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन 3 नवम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक ग्राम, निर्धारित ब्लॉक समूह, विधानसभा व लोकसभा स्तर आयोजित किए जाने प्रस्तावित है। जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं 3 से 5 नवम्बर तक होंगी। इसी प्रकार निर्धारित ब्लॉक समूह स्तरीय खेल प्रतियोगिता 7 से 10 नवम्बर तक, विधानसभा स्तरीय पाली, सोजत, मारवाड़ जंक्शन, बाली व सुमेरपुर खेल प्रतियोगिताएं 13 से 16 नवम्बर तक एवं लोकसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं 23 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक आयोजित किए जाएंगे। इन खेल प्रतियोगिताओं के लिए ग्राम पंचायत स्तर व ब्लॉक स्तर पर आयोजन समितियों का गठन कर सम्पन्न करवाए जाएंगे। साथ ही ग्राम व ब्लॉक स्तर पर शिक्षा, पंचायतीराज, चिकित्सा, पुलिस व नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग को अपने अपने दायित्व सौंपे कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए है।

इनरव्हील क्लब बारां द्वारा दिव्यांग व अनाथ युवक व युवतियों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होगा- नीतू गुप्ता

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां द्वारा समाजसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए हाड़ौती संभाग स्तर पर दिव्यांग व अनाथ युवकों-युवतियों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस पावन अवसर पर पाँच जोड़ों का वैवाहिक सम्मेलन कराया जाएगा। इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा नीतू गुप्ता ने यह बेड़ा उठाया है कि समाज के इन विशेष वर्गों को जीवनसाथी के रूप में एक नई राह और सहारा मिले। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समानता की भावना को सशक्त बनाना है। क्लब की सचिव सीमा सिंह चौहान ने बताया कि यह वैवाहिक सम्मेलन पूर्णतः निशुल्क रहेगा तथा इसमें दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आईएसओ बिंदु मारू और सीसी उर्मिला जैन भाया ने बताया कि यह विवाह सम्मेलन दो दिनों तक चलेगा, जिसमें विनायक स्थापना, हल्दी, मेहंदी, संगीत का कार्यक्रम होगा। दूसरे दिन निकासी वरमाला फेरे व विदाई का आयोजन किया जाएगा। सामूहिक भोजन भी जिसमें शामिल रहेगा। विवाह समारोह में सभी जोड़ों का विवाह पूर्ण रीति-रिवाजों से कराया जाएगा और उन्हें आवश्यक जीवनोपयोगी सामग्री एवं उपहार भी भेंट किए जाएंगे। ये कार्यक्रम सभी दानदाताओं के सहयोग से किया जाएगा। इनरव्हील क्लब का यह सामाजिक पहल समाज में संवेदना, सहयोग और मानवीय मूल्यों की प्रेरणादायक मिसाल बनेगी।

प्रमोद भाया कर रहे है मतदाताओं से सघन जनसम्पर्क

-विकलांग, वृद्व एवं विधवाओं की पेंशन का पता नही-भाया
-उर्मिला भाया ने भी अपनी टीम के साथ किया कोयला में जनसम्पर्क

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया द्वारा शुक्रवार 31 अक्टूबर को अंता विधानसभा क्षैत्र के बरखेडा, देहलाहेडी, मोलकी, आंखेडी, लिसाडी, बमूलिया माताजी, धाकडखेडी, दुगारी, ठीकरिया, नागदा, नागदा की झोपडिया, लदवाडा, रायपुरिया, भोज्याखेडी, बिशनखेडी, रातडिया, अलीपुरिया एवं बालाखेडा गांव में पहुंचकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया तथा कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की गई। ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह भाया को फलों से तोला जा रहा है, माल्यार्पण, साफाबंदी करके स्वागत सम्मान किया जा रहा है। प्रमोद भाया के समर्थन में लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल, विधायक सी.एल. प्रेमी केषोरायपाटन, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया द्वारा कई गांवों में जाकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया। प्रमोद जैन भाया ने गांवों में जनसम्पर्क के दौरान कहा कि अन्ता विधानसभा मेरी कर्मस्थली है। भाजपा सरकार को दो वर्ष हो गए है लेकिन इन दो वर्षो में इस सरकार द्वारा कुछ कार्य नही किया है बल्कि कांग्रेस सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया है। विकलांग, वृद्वजनों तथा विधवा बहिनों की पेंशन का अता-पता नही है। सभी जनकल्याणकारी योजनाओं पर भाजपा सरकार ने कैंची चलाई है। कांग्रेस शासन के दौरान स्वीकृतशुदा कई विकास कार्य चालू तक नही करवाए गए है। जिले में चारों विधायक भाजपा के होने के बावजूद भी जनता को अपने शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पेयजल, सिंचाई आदि मूलभूत अधिकारों को लेकर भी पूरी तरह से त्रस्त है। भाया ने कांग्रेस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील मतदाताओं से की गई। जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा द्वारा महिला टीम के साथ कोयला ग्राम में पहुंच कर डोर-टू-डोर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया तथा विकास के नाम कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी प्रमोद भाया के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कर विजयी बनाने की अपील की गई।

जनजाति गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रम होंगे आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रदेशभर में 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजाति गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर आज गुरूवार को जिला परिषद सीईओ के कक्ष में जनजाति गौरव वर्ष धरती आबा की बैठक आयोजित हुई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि आयोजित होने वाले इन गतिविधियों, नवाचारों तथा कार्यक्रमों को भव्य रूप से मनाते हुए सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए जिससे भगवान बिरसा मुंडा का प्रेरणादायी जीवन जन-जन तक पहुंच सके। इसको लेकर उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में सभी संबंधित विभाग प्रतिदिन गतिविधियां तथा कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाना सुनिश्चित करें। कार्यक्रमों के तहत आदि हाट वन धन केन्द्रों तथा जनजाति कलाकारों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जनजाति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, जनजाति क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण सेवा शिविर, विभिन्न कार्यशालाओं सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक गतिविधि के सफल क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को इस आयोजन की तैयारियों के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनजाति गौरव वर्ष के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में स्थानीय स्तर के सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर सहभागिता से इन कार्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन करना होगा। उन्होंने जनजाति क्षेत्र के जिले भी स्वयंसेवी संस्थाओं तथा भामाशाहों के सहयोग से विभिन्न तरह के नवाचारों को प्रोत्साहित करें। इस अवसर पर नगर परिषद आयुक्त नवीन भारद्वाज, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक राजेश चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

"एकता में शक्ति है, सद्भाव में समृद्धि है" थीम को लेकर चूरु में राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना पदयात्रा का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ की ओर से आयरन लेडी स्व: इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर इन्द्रमणी पार्क से लेकर जिला कलेक्ट्रेट चूरू तक राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना पदयात्रा का आयोजन किया गया, यह पदयात्रा इन दोनों महान नेताओं की स्मृति को समर्पित है। राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना पदयात्रा का उद्देश्य पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त एवं मजबूत करना था, यह पद यात्रा विविधता में एकता की मशाल जलाएं, सद्भाव का संकल्प लें और समाज में प्रेम, सहयोग व समरसता की भावना फैलाएं। इस यात्रा के माध्यम से इंदिरा गांधी एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के पद चिन्हों पर चलकर देश को सशक्त एवं समृद्ध बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विक्रम पाल सिंह, पीसीसी की ओर से बीकानेर प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन, युवा नेता हेमंत सिहाग, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश फोगावट, शहर ब्लॉक अध्यक्ष सुलेमान मनियार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष शोयल खान डीके, चूरू जिला कांग्रेस कमेटी कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अज्जु लुहार, पर्यावरण प्रकोष्ठ शाहिल खान, रतनगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पूर्णराम, जिला महासचिव कुरड़ाराम पूनियां, मीडिया प्रभारी महबूब खान, अभाव अभियोग जिला अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक, मण्डल उपाध्यक्ष अल्ताफ़ रंगरेज, बादल कुमार, बनवारी नेहरा, मुकेश कुमार, आशीष, अंकित नैण, जयप्रकाश पाटीर, शिवनारायण, हिमांशु, मेहरचंद, विक्रम, राहुल कुमार, दीपाराम, सोहेल, कैफ सय्यद, अरबाज़, सोनू सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने अंता नगर के विभिन्न क्षेत्रों में किया जनसम्पर्क

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने किशनगंज विधायक ललित मीणा, नगर अध्यक्ष रोहित नंदवाना, भाजपा नेता मुकेश केरवालिया, अमरदीप केदाहेड़ी व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अंता शहर के सब्जीमंडी, कवासपुरा, नयापुरा व स्टेशन रोड़ आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साधा और भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी मोरपाल ने मतदाताओं को ढोक लगाकर आशीर्वाद लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देकर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा ही वह पार्टी है जो जनता के विश्वास पर खरी उतरी है और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। जनसंपर्क के दौरान नगरवासियों ने सुमन व भाजपा कार्यकर्ताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया और पार्टी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्साह के साथ लिया मतदान का संकल्प

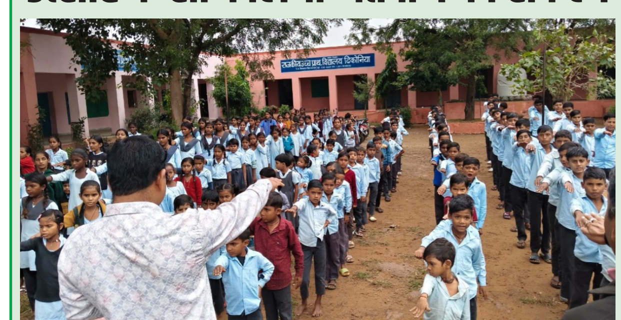

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार अंता विधानसभा उपचुनाव में शत् प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से अंता विधानसभा क्षेत्र के समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजीविका के ग्राम संगठन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजविका के जिला परियोजना प्रबंधक राजीव तोमर ने बताया की अंता एवं मांगरोल स्थित ग्राम संगठन में महिलाओं द्वारा रंगोली एवं मेहंदी में मतदान संबंधी स्लोगन द्वारा जागरूकता का संदेश दिया गया। स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने बताया कि जिले के समस्त विद्यालयों में आयोजित मेगा पीटीएम के दौरान ईएलसी सदस्यों द्वारा पोस्टर एवं रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया, वहीं अभिभावकों से संकल्प पत्र भरवाते हुए मतदान का संकल्प कराया गया।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली सामूहिक एकता की शपथ

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को पूरे देश में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसी उपलक्ष में शुक्रवार को मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक एकता की शपथ ली। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता तथा राजनेता थे। उन्हें लोग सरदार पटेल के नाम जानते हैं। 'सरदार' का अर्थ है 'प्रमुख'। वे बहुत दूरदर्शी व्यक्तित्व के थे। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए उन्होंने देश को एक राष्ट्र के रूप में जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये।

यूनिवर्सिटी डीन अकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि वे देश के एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। शपथ समारोह में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना, डॉ. लक्ष्मण राम बाला, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद सहित कई स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बारां: युवाओं ने संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल से की मुलाकात

-पुस्तकालय थर्ड ग्रेड भर्ती में पद वृद्धि के लिए दिया ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। पुस्तकालय थर्ड ग्रेड भर्ती में पद वृद्धि की मांग को लेकर युवाओं ने संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। युवाओं ने बताया कि फाइल पहले 500 पदों पर वित्त विभाग से अस्वीकृत कर दी गई थी जिस पर वित्त विभाग का कहना था कि पदों में नियमानुसार केवल 50 प्रतिशत की ही वृद्धि हो सकती हैं। उसके बाद फाइल को 50 प्रतिशत नियमानुसार 250 पदों की स्वीकृति के लिए दुबारा वित्त में भेजा गया। अब बेरोजगार युवाओं का कहना हे कि 50 प्रतिशत के नियमानुसार 250 पद लाइब्रेरियन ग्रेड 3rd भर्ती 2024 में पद बढ़ाए जाए। ताकि तैयारी कर रहे युवाओं की तैयारियों पर पानी न फिरे। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इस मामले को जल्द दिखवाने की बात कही।

प्रदेश के किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उपलब्ध कराना ही हमारी प्राथमिक्ता- डॉ. किरोड़ी लाल

-उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान सुनिश्चित करने के लिए जीरो टोलरेंस नीति जारी -कई फर्मों के लाइसेंसे रद्द और बीज उत्पादन कार्यक्रम निरस्त

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। रबी फसल की बुवाई के मद्देनजर किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान व बीज उपलब्ध कराने की मंशा से कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल लगातार खाद बीज की गुणवत्ता और कालाबाजारी के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को जारी रखते हुए पूरे प्रदेश में अमानक खादए बीज और पेस्टिसाइड बनाने वाली फर्मों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर रहे हैं। कृषि मंत्री ने बताया कि जून माह में 3 व 4 जून को श्रीगंगानगर में 12 कृषि फर्मों का निरीक्षण किया गया, जिनमें निरीक्षकों द्वारा 8 फर्मों के 40 बीज नमूने लिए गये। इन 40 नमुनों में से 33 नमुनों को राजकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाल ने मानक घोषित किये। 7 नमूने अमानक पाये जाने के कारण कुल 199.75 क्विंटल बीज जब्त किया गया। मानक पाये गये 11 नमुनों का ग्रो आउट टेस्ट कराये जाने पर 8 नमुने अमानक पाये गये। मैसर्स ओरा हाईब्रिड सीड्स इण्डिया प्रा. लि. श्रीगंगानगर का 95.63 क्विंटल और मैसर्स लक्ष्मी सीड्स श्रीगंगानगर का 57.27 कुल 110.90 क्विंटल बीज को राजसात कर राशि राजकोष में जमा करा दी गई है। शेष बीज राजसात के लिए प्रक्रियाधीन है।

बीज उत्पादक फर्म मैसर्स अमूल सीड्स श्रीगंगानगर का लाइसेंस रद्द किया गया है। साथ ही मैसर्स अमूल सीड्सए मैसर्स श्रीराम सीड्स प्रा.लि. और मैसर्स संगम सीड्स श्रीगंगानगर द्वारा रबी 2024-25 में उत्पादित रॉ बीज की मात्रा क्रमशः 4012.60 क्विंटल, 3259.60 क्विंटल और 1599.60 क्विंटल का इन्टेक भौतिक सत्यापन में पाई गई कमियों के कारण निरस्त किया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा 27 व 28 सितम्बर को हनुमानगढ़ के सांगरिया में मैसर्स स्टार एग्री के गोडाउन में रखे मैसर्स राशि सीड्स प्रा. लि. के गेहूं बीज 8 हजार 569 क्विंटल के कुल 60 नमुने परीक्षण हेतु राजकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाला में भिजवाकर 30 दिन के लिए विक्रय पर रोक लगाई गई है। इसी प्रकार मैसर्स स्टार एग्री सीड्स प्रा.लि. द्वारा उत्पादित सरसों बीज 63.50 क्विंटल बीज के विक्रय पर रोक लगाकर 2 नमुने लेकर राजकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाला को भिजवाये गये हैं।

खाद्य आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को खाद्य आपूर्ति विभाग मंत्री सुमित गोदारा का चूरू प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक हरलाल सहारण व जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री गोदारा ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार जिस लोकहित के साथ कार्य कर रही है उससे प्रदेश की जनता में शासन के प्रति सकारात्मक भाव पैदा हुआ है उन्होंने कहा कि राजस्थान में लोगों ने स्वत स्फूर्त आगे आकर खाद्य सुरक्षा से अपने नाम हटाए हैं जिससे जरूरतमंद को लाभ मिल सके उन्होंने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वह प्रदेश सरकार की कल्याणकारी नीतियों के बारे में आम जन को बताएं। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा की मंत्री सुमित गोदारा के चुरू आगमन पर हम सब कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया है जिस रूप में उनके नेतृत्व में खाद्य विभाग कार्य कर रहा है उसे जरूरतमंद को सभी प्रकार की सहूलियत प्राप्त हो रही है उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को कहा की आने वाले समय में स्थानीय निकाय चुनाव में हम सब कार्यकर्ताओं को इन सभी नीतियों को आम जनता के बीच पहुंचाना चाहिए।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने खाद्य मंत्री सुमित गोदारा का अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जिस रूप में प्रदेश की सरकार आम जनता के लिए जारी कर रही है उसे हर व्यक्ति में शासन के प्रति विश्वास पैदा हुआ है आने वाले समय में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव में जनता इस सुधारात्मक एवं संवेदनशील शासन के प्रति अपने मुहर लगाएगी। इस अवसर पर रतनगढ़ के पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने कहा की प्रदेश की सरकार हर क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्य कर रही है जिसका सकारात्मक प्रभाव प्रदेश में दिखाई देने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था सुचारू है और आम जनता तक सारी सुविधाएं पहुंच रही है जिससे आम जनता में सरकार के प्रति विश्वास पैदा हुआ है। इस अवसर पर रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि, चूरू प्रधान दीपचन्द राहड़, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, सत्तार खांन, जिला प्रवक्ता सुशील लाटा, जिला सहकोषाध्यक्ष रचना कोठारी, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, भाजयुमो गोपाल बालाण, जिला उपप्रमुख महेन्द्र न्यौल, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, मण्डल अध्यक्ष विजय कस्वां, भाजयुमो जिला महामंत्री जयपाल सिंह टकणेत, सोशल मीडिया जिला सहसंयोजक सुरेश मिश्रा, कपिल चंदेल, रधुनाथ खेमका, रजत शर्मा, दीनदयाल पारीक, महावीर पूनियां, महेश मिश्रा, रवि आर्य, आकाश सैनी,राजीव लाम्बा, सुशील स्वामी, मनोज गढ़वाल, दाउद थीम सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पशुओं में अजोला हरे चारे का दुग्ध उत्पादन में महत्व- डॉ. बेरवाल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अंतर्गत कार्यरत पशु विज्ञान केंद्र, सूरतगढ़ के द्वारा एक दिवसीय जागरूकता शिविर ग्राम सिलवानी, सूरतगढ़ में आयोजित किया गया। केन्द्र प्रभारी अधिकारी डॉ. राजकुमार बेरवाल ने बताया कि डेयरी पशुओं में जैविक सदाबहार हरा चारा अजोला प्रत्येक पशुपालक को लगाना चाहिए। यह एक ऑर्गेनिक चारा है और पशु विज्ञान केंद्र, सूरतगढ़ में यह निःशुल्क वितरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसमें खर्चा कम तथा लाभ अधिक हैं, इसके लिए उपयुक्त तापमान 30 से 35 डिग्री होना चाहिए। यह सभी प्रकार के पशुओं को खिला सकते हैं। इसको खिलाने से पशुपालक के लिए दाना मिश्रण की लागत कम आती है। प्रशिक्षण शिविर में पशु विज्ञान केंद्र, सूरतगढ़ के द्वारा प्रयोगशाला में दूध, मूत्र, गोबर, खून इत्यादि की निःशुल्क जांच के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि छोटे बच्छे, बच्छियों तथा दुधारू पशुओं में मिनरल मिक्चर फीड अति आवश्यक रूप से दें और हर 3 महीने में पशुओं को कृमिनाशक दवा जरूर देनी चाहिए।

डॉ. राव यदुमन द्वारा केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म थारपारकर, सूरतगढ के बारे में जानकारी और फार्म में थारपारकर की गायों में नस्ल सुधार व प्रजनन के बारे में बताया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में स्वच्छ दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालको को प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहिताश सेनी, प्रगतीशील पशुपालक सुभाष देग, भागीरथ जाखड़, नेतराम, सुल्तान राम, हरप्रित सिंह, पवन जाखड़ सहित 44 पशुपालकों ने भाग लिया।

श्री पुष्कर मेला-2025 ध्वजारोहण के साथ हुआ पारंपरिक शुभारम्भ

-सांस्कृतिक उमंग की छटा बिखरी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विश्व प्रसिद्ध श्री पुष्कर मेला 2025 का गुरुवार को पारंपरिक ध्वजारोहण के साथ भव्य शुभारम्भ हुआ। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत द्वारा मेला मैदान में विधिवत ध्वजारोहण कर मेले के शुभारम्भ की घोषणा की गई। अध्यक्ष जीतमल प्रजापत नगर परिषद के निवर्तमान सभापति कमल पाठक, संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, जिला कलक्टर लोक बन्धु एवं पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा शुभारंभ समारोह में उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि पुष्कर मेला राजस्थान की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। इसी महत्व को देखते हुए राज्य सरकार ने मेले के बजट में वृद्धि कर इसे 70 लाख रूपये से बढ़ाकर एक करोड़ रूपये किया है। इससे यहां आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी तथा मेले को और भव्य रूप दिया जा सकेगा। पुष्कर कॉरीडोर की डीपीआर तैयार हो गई है। शिघ्र ही इसका शिलान्यास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुष्कर फॉरएवर संकल्प के साथ इस विश्व-प्रसिद्ध मेले को स्थायी रूप से वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। तीर्थराज पुष्कर को अंतरराष्ट्रीय तीर्थ पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए ठोस एवं दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य है कि यहां आने वाला हर आगंतुक राजस्थान की परंपराओं, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्‌त अनुभव लेकर जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि परंपरागत लोककलाओं और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए 19 नवंबर को राज्य के सभी संभाग मुख्यालयों पर घूमर उत्सव आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थानी लोकनृत्य, विशेषकर घूमर, प्रदेश की गौरवशाली पहचान है और इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। लोकसांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पुष्कर मेले के बजट में की गई यह वृद्धि पर्यटन संवर्धन और स्थानीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से तीर्थराज पुष्कर में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही अर्थव्यवस्था एवं रोजगार अवसरों में भी सकारात्मक वृद्धि होगी।

कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 41वी पुण्यतिथि एवं लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वी जयंती उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्वा पूर्वक मनाई। अध्यक्षता चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर व देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू ने की। पीसीसी सचिव रियाजत खान ने कहा अक्टूबर की यह तारीख भारत के इतिहास में एक गहरा निशान छोडती है। यही वह दिन है जब देश ने अपनी पहली महिला प्रधानमंत्री, इंदिरा गांधी को खो दिया था। वे सिर्फ एक नेता नही थी, बल्कि भारत की राजनीतिक दृढता, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रतीक थी। उनका जीवन संघर्ष, निर्णय और दूरदर्शिता का अद्‌त संगम था जिसने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी। यह दिन महान, कर्मठ और दृढ व्यक्तित्व वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित है जिन्होने बिखरे रियासतों के भारत को एक सूत्र में पिरोया। वे सिर्फ भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री नही थे, बल्कि भारत के लौह पुरूष के रूप मे एकता के प्रतीक बने, जिन्होने आधुनिक भारत की नींव रखी। पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने कहा कि जब देश आर्थिक संकट और अस्थिरता से जूझ रहा था, तब इंदिरा गांधी ने मजबूत नेतृत्व के साथ भारत की बागडोर सभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान को हराया और बांग्लादेश का जन्म हुआ। इस विजय ने उन्हे आयरन लेडी ऑफ इंडिया बना दिया। इंदिरा गांधी ने समाज के निचले तबके के उत्थान के लिए नितियां बनाई और गरीबी हटाओं अभियान चलाकर आम जनता में उम्मीद जगाई। इस अवसर पर पूर्व बीसुका उपाध्यक्ष आशाराम सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, राम प्रताप कांटिवाल, विमल शर्मा, योगेश ढाका, रामेश्वर नायक, अजीज खां, रतनलाल जांगिड, राजेश फौजी, बजरंग बजाड, अब्बास काजी, सिराज जोईया, बाबू मंत्री, अयुब फौजी लाखाउ, श्रवण बसेर, रामचन्द्र सुण्डा, उमेश शर्मा, अनीस खान, विनोद खटीक, सोयल डीके, मलीक, तोफिक खान, शंकर डाबला, इस्माईल भाटी, जाफर खां जोईया, आबीद मोयल, नौमान सयैद, प्यारेलाल दानोदिया, भंवर सिंह झारिया सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद थे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम

-4 नवंबर से 4 दिसंबर तक घर-घर जाकर सर्वे करेंगे बीएलओ

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के सम्बंध में गुरुवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने मीडियाकर्मियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण की एसआईआर की तारीखों की घोषणा कर दी है। इसमें राजस्थान भी शामिल है। प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होते ही मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अवजमतेण्मबपण्हवअण्पद पर जाकर सभी राज्यों की विगत एसआईआर मतदाता सूची को देखा जा सकता है। इसके अलावा मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान मसमबजपवदणतंरंजीदण्हवअण्पद की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान तीन बार बीएलओ घर-घर जाकर वर्तमान मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाएंगे। जिले में अब तक 72 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। इन्हें किसी भी तरह का दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्य में बीएलए की मदद ली जाएगी तथा अन्य कार्मिक व एनसीसी एनएसएस के वॉलियन्टर भी बीएलओ की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरवाना होगा। ईएफ (एन्यूमरेशन फार्म) भरने में यदि कोई व्यक्ति मिथ्या घोषणा करता है तो यह जुर्माने या कारावास से दंडनीय है। उन्होंने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया 28 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस बीच विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र मुद्रण से संबंधित कार्य किए जाएंगे।

सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी पाली सरदार पटेल की 150 वी जयन्ती पर लाखोटिया उधान मे आयोजित हुई संगोष्ठी व तस्वीर पर किया माल्यार्पण जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया की लाखोटिया उधान मे जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी के नेतृत्व मे आयोजित कार्यक्रम मे सरदार पटेल की जीवन पर प्रकाश डाला व उनके पदचिन्ह पर चलने का आह्वान किया इस अवसर पर पुर्व सभापति महेंद्र बोहरा ने कार्यकर्ताओ को संबोधित किया व सरदार पटेल के जन्म जयन्ती को राष्टीय एकता दिवस के रुप मे देश भर मे मनाया जा रहा है उनके आदर्श व देश के प्रति उनकी समर्पित भाव व राष्ट्रीयकरण मे उनके योगदान को आज देश याद कर रहा है जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी ने इस अवसर पर कहा की पाली शहर के सरदार पटेल की प्रतिमा नही हम सब कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधिगण व पदाधिकारीगण मिलकर सभी के सहयोग से लौहा पुरुष की लौहा व अष्टधातु की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए इस संबंध मे सभी कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया व सहयोग करेगे जल्दी ही रुप रेखा तैयार करेगे इस अवसर पर महामन्त्री नारायण कुमावत सुरेश चौधरी देविलाल मेघवाल प्रतापसिंह जौधा महावीर सिंह टेवाली सिवपकाश प्रजापत जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी मडल अध्यक्ष सुरेश पवार पुखराज बजारा प्रमेन्द्र सिह ओम स्वामी राहुल मेवाड़ा रेखा कवर भाटी रितेश छाजेड अशोक तलेसरा मनिषा राखेशा सुशीला कवर नीतु अमरनानी रेखा सोलंकी जितुभाई व्यास भरत सिह राजपुरोहित अजय वैशणव सहित उपस्थित रहे।

सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। सुभाष चौक स्थित श्री चिरंजी लाल अम्बिका प्रसाद औझा आदर्श विद्या मंदिर, चूरू में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य वक्ता श्रीमती सरिता माटोलिया ने परिवार व संस्कृति को आगे बढ़ाने में महिलाओं की मुख्य भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती विनिता शर्मा द्वारा महिलाओं को संकल्प दिलवाया गया तथा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि -श्रीमती उमा सारस्वत द्वारा भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए तथा कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुर्जर द्वारा पर्यावरण व भारतीय दर्शन पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में राजस्थानी वेशभूषा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं विशिष्ट माताओं का सम्मान किया गया। विद्यालय की बहिनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अंत में कार्यक्रम की संयोजिका अनिता द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में जीवणी, पूजा रानी, माया पड़िहार, सविता, हिमांशी, काजल व धन्नी देवी का कार्यक्रम सम्पन्न करवाने में सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन काजल शर्मा द्वारा किया गया।

रतननगर में मेगा पीटीएम का हुआ आयोजन

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। पीएम श्री एचपी बुद्धिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रतननगर में मेगा पीटीएम मीटिंग, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं कृष्ण भोग कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था प्रधान संदीप मेहरौलिया ने बताया कि अभिभावकों को अपने बच्चों की अध्ययन स्थिति जानने के लिए विद्यालय में निरंतर आते रहना चाहिए, शिक्षक के साथ-साथ अभिभावकों का भी दायित्व बनता है कि वह अपने बच्चों का संभाल करने के लिए विद्यालय आए और उनकी प्रगति रिपोर्ट के बारे में जाने। व्याख्याता अशोक कुमार दाधीच ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन वृत के बारे में विद्यार्थियों को बताया । विनोद सोनी के द्वारा विद्यार्थियों को दूध व जलेबी कृष्ण भोग के रूप में उपलब्ध करवाई गई। मंच संचालन अमीलाल दहिया ने किया। कार्यक्रम में जरीना बानो, विजयलक्ष्मी, मधु कुमारी, अरुण, वीरेंद्र सिंह, जालम सिंह, अनिता कुमारी ने आयोजकीय भूमिका निभाई । कार्यक्रम में विजय मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा, जमील खान उपस्थित रहे।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की 41 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। मदरसा इंदिरा मेमोरियल पब्लिक शिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई गई इसी क्रम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह पूर्वक बनाई गई कार्यक्रम की अध्यक्षता रॉयल विकलांग विकास संस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी ने कि व मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता नौशाद खान ने कहा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश को एकता में अखंडता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। मगर देश की एकता में अखंडता को क्षति नहीं पहुंचने दी अख्तर खान ने कहा कि हमें आतंकवाद को जड़ से खत्म करना होगा इंदिरा गांधी के बताए मार्ग पर चलकर कुशल देश के सपने को साकार करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा व साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वी जयंती एकता दिवस के रूप में मनाई गई । इस मौके पर संस्थान सचिव यूसुफ खान रूकनखानी, समाजसेवी यूनुस खान रूकनखानी ने इंदिरा गांधी व लौह पुरुष सरदार पटेल के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की इस मौके पर प्रधानाध्यापिका सबीना बानो शिक्षा अनुदेशक असलम खान, जान मोहम्मद, शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई आदि मौजूद थे।

प्रदेश में भवन-सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए शनिवार से विशेष अभियान

-मुख्यमंत्री के निर्देश 1 से 30 नवंबर तक चलेगा 'सघन निरीक्षण अभियान'

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में भवन और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए शनिवार से प्रदेशभर में एक माह तक 'सघन निरीक्षण अभियान' संचालित होगा। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में इस अभियान में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, स्वायत शासन विभाग और समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए निरीक्षण समितियों के गठन के बारें में आदेश जारी किया है। इस संबंध में मुख्य सचिव ने गुरुवार को शासन सचिवालय से वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टर्स को राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उक्त अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए।

तीन समितियों करेगी गहन निरीक्षण-

उक्त अभियान की सफलता के लिए सार्वजनिक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन तथा समग्र शिक्षा अभियान के भवन कार्यों के निरीक्षण के लिए सभी जिलों में जिला कलेक्टर्स को तीन निरीक्षण समितियों के गठन निर्देश दिए गए हैं। ये समितियां सघन निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर संबंधित जिला कलेक्टर को प्रस्तुत करेंगी। कलेक्टर अपनी अनुशंषा के बाद संबंधित विभाग के प्रभारी सचिव को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों के निरीक्षण के लिए समिति-

इसके तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संभाग के अधीन अन्य वृत्त से) व अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संभाग के अधीन अन्य जिले के गुण नियंत्रण खण्ड से) की समिति गठन के निर्देश दिए गए हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

नोलन ने खोले राज- बताया इस साल की अपनी फेवरेट फिल्म और एक्टर का नाम

दिग्गज फिल्ममेकर क्रिस्टोफर नोलन हाल ही में पॉडकास्ट में नजर आए। दुनिया जहां उनकी फिल्मों की मुरीद है, वहीं डायरेक्टर ने एक एक्टर की हालिया रिलीज फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि 2025 में इससे बेहतर दर्शकों को और कुछ नहीं मिल सकता।

ब्रिटिश-अमेरिकी फिल्ममेकर क्रिस्टोफर नोलन के हम सब मुरीद हैं। दो बार ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुके नोलन अपनी अद्भुत और लीक से हटकर स्टोरी टेलिंग के लिए जाने जाते हैं। फिर चाहे 2002 में आई 'इनसोमनिया' हो, 'द डार्क नाइट ट्रिलॉजी' हो, या फिर 'इन्सेप्शन', 'इंटरस्टेलर' या 'ओपेनहाइमर', दिग्गज डायरेक्टर ही हर फिल्म ने अमिट छाप छोड़ी है। मजेदार बात यह है कि हाल ही एक पॉडकास्ट में पहुंचे नोलन ने एक हालिया रिलीज फिल्म और इसके लीड एक्टर की जमकर तारीफ की है। उन्होंने खुद को 'फैन' बताते हुए कहा कि साल 2025 में वर्ल्ड सिनेमा को इससे बेहतर कुछ और नहीं मिल सकता। 'द डायरेक्टर्स कट पॉडकास्ट' पर आए क्रिस्टोफर नोलन ने जिस फिल्म की इतनी तारीफ की है, वो है इसी महीने अक्टूबर में रिलीज हुई 'द स्मैशिंग मशीन', जिसमें ड्वेन जॉनसन लीड रोल में हैं। पॉडकास्ट में नोलन के साथ 'द स्मैशिंग मशीन' के डायरेक्टर बेनी सफी भी मौजूद थे। फिल्म में ड्वेन जॉनसन की एक्टिंग को 'दिल तोड़ने वाला' बताते हुए नोलन ने कहा, 'मुझे लगता है कि ड्वेन का मार्क का किरदार 'अविश्वसनीय' है। मुझे लगता है कि यह एक अविश्वसनीय परफॉर्मेंस है और आप इस साल या अगले कई साल में इससे बेहतर काम नहीं देख पाएंगे।'

टॉलीवुड

बाहुबली 3 पर प्रोड्यूसर शोबू ने तीसरे पार्ट पर तोड़ी चुप्पी, सरप्राइज मिलेगा आज

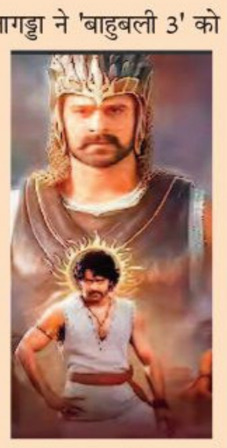

'बाहुबली' के प्रोड्यूसर शोबू यारलागड्डा ने 'बाहुबली 3' को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा है कि टीम के पास कहानी को लेकर कई आइडियाज हैं। वहीं दूसरी ओर, उन्होंने 31 अक्टूबर को रिलीज हो रही 'बाहुबलीः द एपिक' पर भी बात की है।

एसएस राजामौली के डायरेक्शन में बनी 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' ने भारतीय सिनेमा की तस्वीर बदल दी। इन दोनों फिल्मों ने जहां सही मायने पैन इंडिया रिलीज ट्रेंड की शुरुआत की, वहीं बॉक्स बॉफिस पर बंपर कमाई। साल 2017 में 'बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन' की रिलीज के बाद से यह चर्चा आम रही है कि क्या मेकर्स इसका तीसरा पार्ट यानी 'बाहुबली 3' भी लेकर आएंगे। अब छह साल बाद जब सिनेमाघरों में पिछली दोनों फिल्मों को मिलाकर 'बाहुबलीः द एपिक' को रिलीज किए जाने की तैयारी है, फ्रैंचाइज के निर्माता शोबू यारलागड्डा ने तीसरे पार्ट पर चुप्पी तोड़ी है। इंटरव्यू में, शोबू यारलागड्डा ने 'बाहुबली 3' को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि अभी इसके तीसरे पार्ट को लेकर कोई योजना नहीं है। हालांकि, प्रोड्यूसर ने इस बात पर जोर दिया कि टीम अन्य प्रारूपों यानी सीरीज या शो के जरिए 'बाहुबली' की दुनिया को आगे बढ़ाने में जरूर रुचि रखती है। निर्माता ने पिछले दोनो पार्ट की री-रिलीज 'बाहुबलीः द एपिक' पर बात करते हुए कहा, 'फैंस को यह फिल्म दो-पार्ट वाली महागाथा को पर्दे पर एक बार फिर ग्रैंड एक्सपीरियंस देगी।' उन्होंने कहा, 'नहीं, 'बाहुबली 3', बिल्कुल नहीं। लेकिन हमारे पास कुछ और सरप्राइज हो सकते हैं, पर 'बाहुबली 3' नहीं। 'बाहुबली 3' के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है।' शोबू यारलागड्डा ने कहा कि 'बाहुबली' की दुनिया में अभी भी कहानी को आगे बढ़ाने की भरपूर संभावनाएं हैं।

भोजपुरी

लव लेटर से शुरू हुई प्रेम कहानी बदल गई आंसुओं में, रुला देगा ट्रेलर

माही श्रीवास्तव और रितेश उपाध्याय की नई भोजपुरी फिल्म 'उमा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। करीब चार मिनट का यह ट्रेलर ऐसा है, जो आपको भावुक कर देता है। कहानी एक प्यारी सी प्रेम कहानी की है, जिस पर गम की बिजलियां गिरती हैं। भोजवुड में हमेशा से एक्शन फिल्मों का बोलबाला रहा है। तड़क-भड़क वाले गीत संगीत का जोर है। ऐसे में डायरेक्टर अनंजय रघुराज एक ऐसी दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रहे हैं, जिसके करीब चार मिनट के ट्रेलर को देखकर ही आप का दिल भर आएगा। माही श्रीवास्तव और रितेश उपाध्याय स्टारर फिल्म 'उमा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले बनी इस फिल्म की कहानी में वो सबकुछ है, जो आप एक बेहतरीन ड्रामा फिल्म से उम्मीद करते हैं। एक अच्छी दिल छू लेने वाली कहानी, प्यार का रूमानी एहसास और दर्द का समंदर। 'उमा' की कहानी इसके डायरेक्टर अनंजय रघुराज ने ही लिखी है। फिल्म को रत्नाकर कुमार ने प्रोड्यूस किया है। स्कीनप्ले और डायलॉग अरबिंद तिवारी और राकेश त्रपिाठी का है। जबकि इसके गीतों को संगीत से सजाने का काम साजन मिश्रा ने किया है। गीतकार धरम हिंदुस्तानी हैं।

भोजपुरी फिल्म 'उमा' के ट्रेलर की शुरुआत माही और रितेश के रूमानी प्यार से होती है। तांका-झांकी, कभी साइकिल तो कभी स्कूटर से पीछा और फिर प्रेम पत्र का दौर। दो जवान आत्मा एक-दूसरे की मोहब्बत में अभी डूब ही रही होती है कि उनकी प्रेम कहानी को गांव के कुछ लोगों की नजर लग जाती है।

लाइफ स्टाइल

टमाटरी रंगत

टमाटर की रंगत बिखेरता लाल रंग फैशन की दुनिया में अलहदा पहचान रखता है। मॉडल लाक्वान स्मिथ, बोटेगा वेनेटा, प्रबल गुरुंग और बाल्मेन ने हाल ही में लंदन फैशन शो में इस टमाटरी रंगत की खूब नुमाइश की। हालांकि यह चटक वसंत ऋतु का लाल रंग है लेकिन इस मौसम में भी इसके पूरे आउटफिट्स रनवे पर छाए रहे और यहाँ-वहाँ इसके कुछ हिस्से भी दिखाई दिए।

त्वचा को रखना है स्वस्थ तो ऐसे तैयार करें फेस मिस्ट

मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे खाने-पीने से लेकर रहन-सहन तक में काफी बदलाव सा आ जाता है। मौसम के बदलाव में सबसे ज्यादा त्वचा को खास तरह के स्किन केयर की जरूरत होती है। अगर शुरुआती दिनों में त्वचा का ध्यान रख लिया जाए तो सर्दियों में भी त्वचा काफी स्वस्थ रहती है। त्वचा को सर्दियों में हाइड्रेट रखने के लिए लोग फेस मिस्ट का इस्तेमाल करते हैं लेकिन बहुत से लोगों को बाजारों में मिलने वाले केमिकल वाले फेस मिस्ट इस्तेमाल करने से डर लगता है। ऐसे में आज हम आपको घर पर फेस मिस्ट बनाने का सही तरीका बताएंगे। फेस मिस्ट का इस्तेमाल त्वचा को तरोताजा रखने के लिए किया जाता है। इसको घर पर बनाना बेहद आसान है। आइए आपको घर पर फेस मिस्ट बनाना बताते हैं, ताकि आप केमिकल वाले मिस्ट से छुटकारा पा सकें।

ग्रीन टी फेस मिस्ट

अगर आपकी त्वचा काफी ऑयली है और उस पर कई मुंहासे हैं तो ग्रीन टी फेस मिस्ट आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा। इसके इस्तेमाल से पिंपल्स की समस्या भी खत्म होती है।

इसे बनाने का तरीका

इसके लिए आधा कप पानी में ग्रीन टी बैग डालें और इस पानी को ठंडा होने दें। जब ये ठंडा हो जाए तो इसमें दो से तीन चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसके बाद इस पानी को स्प्रे बोतल में भर दें। इसे फ्रिज में रखकर आप एक हफ्ते तक इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। चेहरा धोने के बाद इसे चेहरे पर स्प्रे करें।

खीरा फेस मिस्ट

जिस तरह से खीरे का सेवन त्वचा के लिए फायदेमंद होता है, ठीक उसकी तरह ही इससे बना फेस मिस्ट भी त्वचा की कई परेशानियों को दूर करता है। इससे त्वचा लंबे समय तक हाइड्रेट रहती है।

इसे बनाने का तरीका

अगर आप घर पर इसे बनाना चाहते हैं तो एक खीरा लेकर इसे सबसे पहले पीस लें। इसके बाद खीरे का रस निकालकर इसमें 6 से 8 बूंदे एसेंशियल ऑयल की बूंदे मिलाएं। इसके साथ ही इसमें गुलाब जल मिलाएं। अब एक स्प्रे बोतल में भरकर आप इसका इसका इस्तेमाल हर रोज सुबह कर सकती हैं।

जान लें इसके फायदे

वैसे तो बाजार में आपको आसानी से फेस मिस्ट मिल जाएगा, लेकिन अगर आप घर पर इसे बनाएंगे तो इसमें किसी तरह का कोई केमिकल नहीं मिला होगा। घर पर बना फेस मिस्ट काफी फ्रेश भी होता है, जिससे इससे त्वचा काफी खिली-खिली रहती है।

अपने श्रृंगार में शामिल करें इन्हें देखकर खुश हो जाएंगे पतिदेव

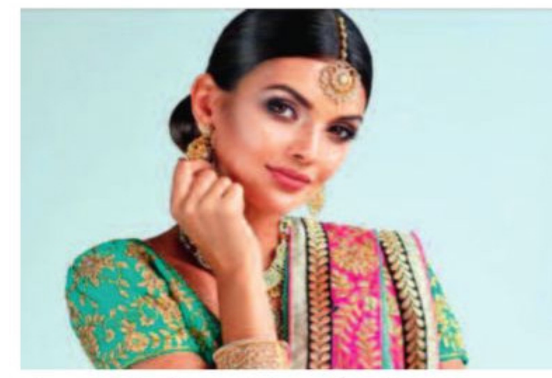

त्योहार, शादियों और पार्टियों के इस मौसम में महिलाएं खूब अच्छे से साज-श्रृंगार करती हैं। महिलाएं इसकी तैयारी भी पूरी कर रखती है। खास कर सुहागिन महिलाओं के लिए कुछ खास त्यौहारों पर 16 श्रृंगार करने की भी परंपरा है। वैसे तो महिलाएं इसके लिए पूरी तैयारी कर ही लेती हैं, लेकिन परेशानी उन महिलाओं के सामने आती है, जिनकी नई-नई शादी हुई है। दरअसल, नई दुल्हनों को ये समझ ही नहीं आता कि वो खास मौके पर कैसे तैयार हों। आपको इस बारे में जरूर जानना चाहिए कि अपने श्रृंगार में क्या शामिल करें।

लाल साड़ी को दें प्राथमिकता

अगर शादी के बाद पहली बार किसी पारिवारिक फंक्शन में जा रही हैं तो अपनी शादी के खास ड्रेस को प्राथमिकता दें। अगर आप शादी का लहंगा नहीं पहनना चाहतीं तो लाल रंग की साड़ी को ही प्राथमिकता दें। ये देखने में काफी प्यारी लगती है।

लाल और हरी चूड़ी

त्यौहारों का दिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। ऐसे में लाल साड़ी के साथ आप हरे रंग की चूड़ियां पहन सकती हैं। ये आपके लुक को और ज्यादा खूबसूरत बनाने में मदद करेंगी। अगर आप हरी चूड़ी नहीं पहनना चाहतीं तो लाल रंग के चूड़ा को पहनकर अपना लुक पूरा करें।

मांग टीका

अपने श्रृंगार को पूरा करने के लिए मांगटीका जरूर पहनें। ये सुहागिनों के लिए काफी अहम होता है।

जरूर लगाएं सिंदूर

सिंदूर को सुहागिन महिलाओं की निशानी माना जाता है। ऐसे में तैयार होते वक्त सिंदूर लगाना ना भूलें। आपके सुहागन लुक को सिंदूर ही पूरा कर सकता है। इसके बिना आपका श्रृंगार अधूरा है।

गजरा

अगर आप पारंपरिक रूप से तैयार होना चाहती हैं तो बालों में गजरा जरूर लगाएं। ये देखने में काफी प्यारा लगता है।

पार्लर जाने के बजाय घर पर करें हेयर स्मूदनिंग

अगर आपके बाल फ्रिजी, वेवी और थोड़े से घुंघराले हैं, तो आपके लिए हेयर स्मूदनिंग बेस्ट हो सकती है। स्मूदनिंग से आपके बाल स्ट्रेट और शाइनी हो जाएंगे। यही कारण है कि आजकल महिलाओं के बीच हेयर स्मूदनिंग का क्रेज बढ़ गया है। लेकिन अब आप सोच रही होंगी कि इसके लिए तो आपको पार्लर जाना पड़ेगा और हजारों रूपये खर्च करने पड़ेंगे। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो घर पर भी हेयर स्मूदनिंग कर सकती हैं।

स्मूदनिंग करने के लिए सबसे पहले अपने बालों को माइल्ड फॉर्मूला वाले शैंपू से धो लें। यानी एक ऐसा शैंपू जिसमें केमिकल की मात्रा कम हो। अगर आपके बाल ज्यादा डैमेज हैं तो आप ओट मिल्क और शहद से बने शैंपू का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन दोनों चीजों में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो डैमेज बालों को सही करने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

बालों को शैंपू से धोने के बाद अगला स्टेप इन्हें सुखाना है। आपको बालों को सुखाने के लिए ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे

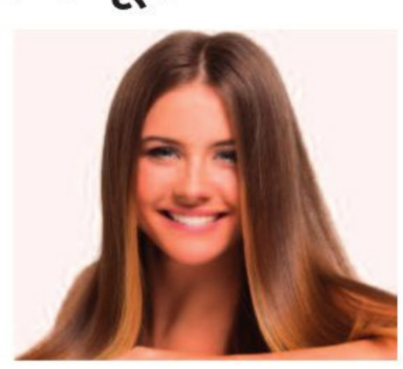

बालों में मौजूद मॉइश्चर के ट्रेसिस नजर नहीं आएंगे। बालों को सुखाने के लिए इन्हें चार सेक्शन में डिवाइड कर दें। फिर एक-एक सेक्शन को ब्लो ड्रायर से सुखा लें। ऐसा करने से आपके बाल पूरी तरह से सुख जाएंगे।

हेयर स्मूदनिंग के लिए तीसरा स्टेप है, बालों में स्मूदनिंग क्रीम लगाना। आप चाहें तो मार्केट से भी यह क्रीम खरीद सकती हैं। या फिर घर पर भी बना सकती हैं। बालों में स्मूदनिंग क्रीम लगाने के लिए आपको मास्किंग ब्रश चाहिए होगा।

आइब्रो के बालों को घना बनाने करें तेल का इस्तेमाल

आइब्रो के बालों को घना बनाने के लिए आप घरेलू चीजों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह एक ऐसा घरेलू नुस्खा है, जिसकी मदद से आप आसानी से घर पर मौजूद चीजों से आइब्रो हेयर की देखभाल कर इन्हें घना बना पाएंगी। आप एलोवैरा जेल और कैस्टर आइल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

एलोवेरा में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आइब्रो के बालों को पोषण देने में मदद करते हैं। यह त्वचा के रूखेपन को कम करने में मदद करता है। बालों और स्किन को डीप क्लीन करने के लिए एलोवेरा बेहद फायदेमंद होता है। कैस्टर ऑयल आइब्रो के बालों को थिक बनाने में बेहद मददगार होता है। साथ ही कैस्टर ऑयल आइब्रो हेयर को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व आइब्रो हेयर को जड़ से मजबूत बनाने का काम करती हैं। आइब्रो को घना बनाने के लिए आप नारियल तेल और अरंडी के तेल को मिलाकर लगा सकते हैं। इन तेलों को रात में सोने से पहले आइब्रो पर हल्के हाथ से मसाज करते हुए लगाएं और सुबह धो लें।

विभिन्न तेलों का उपयोग कैसे करें

नारियल तेल में मौजूद फैटी एसिड और विटामिन ई बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। अरंडी के तेल में

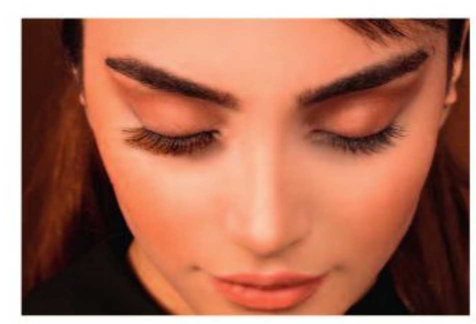

मौजूद राइसीनोलिक एसिड बालों की ग्रोथ को तेज करने में मदद करता है। जैतून का तेल हेयर फॉलिकल्स को मजबूत बनाने और ग्रोथ को बढ़ावा देने में सहायक है। एक छोटा चम्मच नारियल तेल और एक छोटा चम्मच जैतून का तेल लें। दोनों तेलों को अच्छी तरह मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण को अपनी आइब्रो पर हल्के हाथों से 5-10 मिनट तक मालिश करें। रातभर के लिए इसे लगा रहने दें। अगली सुबह इसे सामान्य पानी से धो लें।

अन्य विकल्प पर भी आप विचार कर सकती हैं। अरंडी के तेल को पेट्रोलियम जेली के साथ मिलाकर लगाने से भी फायदा होता है, रोजमेरी तेल को नारियल या बादाम तेल के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है।

कार्नर न्यूज

पार्टियों में आपकी तैयारी होनी चाहिए खास

कॉकटेल पार्टी के लिए कैसे हों तैयार कि आप बन जाएं महफिल की शान, जानिए खास टिप्स

कॉकटेल पार्टी का इनविटेशन आया है लेकिन कपड़े क्या पहने समझ नहीं पा रहे हैं तो आपको कॉकटेल पार्टी से जुड़े कुछ खास टिप्स जरूर आजमाने चाहिए। ये वो टिप्स हैं जो कॉकटेल पार्टी के लिए सही से तैयार होने में आपकी पूरी मदद करेंगे। आप इन कपड़ों में परफेक्ट दिखेंगे और पार्टी की शान बन जाएंगे। इस बात की गारंटी है। कॉकटेल पार्टी के लिए कैसे होने चाहिए कपड़े, जानते हैं।

कॉकटेल अटायर आमतौर पर कॉकटेल पार्टी, शाम के इवेंट, रिसेप्शन और डिनर डेट पर पहनते हैं। वेलवेट और सिल्क जैसे फैब्रिक कॉकटेल पार्टी में अच्छे लगते हैं। इस पर कुछ खास तरह के चेक हों तो और अच्छा है। कॉकटेल पार्टी में पूरी तरह से फॉर्मल कपड़े ही पहनने होते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि कैजुअल पहनेंगे तो दिक्कत होगी। बस इसे खास तरह से पहनना होगा। जैसे आप टीशर्ट पहन सकते हैं लेकिन कोट के अंदर। डेनिम को भी इसी तरह ड्रेस में शामिल किया जा सकता है।

ज्यादातर बार कॉकटेल पार्टी के

लिए रंग का इनविटेशन में ही बता दिया जाता है। लेकिन फिर भी आपको रंग का इस्तेमाल करना ना समझ आए तो आप उन रंगों को एसेसरीज में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको कपड़ों के रंग भी गहरे और थोड़े रिच ही चुनने होंगे। मिडनाइट ब्लू भी एक अच्छा ऑप्शन होता है, इस कलर में फोटो भी अच्छी आती है। आप अंदर सफ़ेद टी शर्ट भी पहन सकते हैं। ये लुक तेज रोशनी में बहुत अच्छा लगेगा। आपने कितने भी अच्छे कपड़े पहने हों लेकिन आपने इनकी साफ-साफी अपर ध्यान नहीं दिया है तो आपकी साड़ी मेहनत बेकार ही जाएगी। इसलिए कड़े वही चुनें जो साफ़ हों और जिनमें अच्छे से क्रीज बनी हो।

कॉकटेल पार्टी में आकर्षक दिखने के लिए, एक स्टाइलिश अटायर चुनें जिसमें फैब्रिक, रंग और एक्सेसरीज़ का ध्यान रखें, जैसे कि शाम के लिए डार्क या मैटेलिक रंगों के परिधान पहनना और स्टेटमेंट ज्वेलरी या बारलेट को शामिल करना। अपनी साफ-सफाई और ग्रूमिंग का भी ध्यान रखें।

पहनावा और स्टाइल

कॉकटेल अटायर के लिए, आप नी-लेंथ या टी-लेंथ ड्रेस, स्कर्ट और ब्लाउज पहन सकती हैं। रंगों में डार्क या मैटेलिक रंग क्लासिक पसंद होते हैं। इनके साथ एक्सेसरीज़ के तौर पर स्टेटमेंट नेकलेस, स्पार्कलिंग इयररिंग्स या चिक बारलेट आपकी पोशाक को निखार सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके कपड़े और आप खुद साफ-सुथरे और ग्रूमड दिखें।

खबर संक्षेप

कनाडा ओपन के अंतिम चार में हारी अनाहत

टोरंटो। भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह के कनाडा ओपन में शानदार अभियान पर विराम लग गया जब वह सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जिना कैनेडी से सीधे गेम में हार गई। सत्रह वर्ष की अनाहत को दुनिया की दसवें नंबर की खिलाड़ी कैनेडी ने 96250 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए सिल्वर टूर्नामेंट में 11 .5, 11 . 8, 12 . 10 से हराया। अनाहत ने प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की मेलिसा अल्वेस को हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी और गत चैम्पियन बेल्जियम की टिन्ने गिलिस को मात दी थी।

एयर बैडमिंटन विश्व कप शारजाह में 11 दिसंबर से

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ एयर बैडमिंटन विश्व कप के पहले टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में 11 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा जिसमें 12 देशों की टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, अजरबेजान, हांगकांग,

ब्राजील, इंडोनेशिया, बुल्गारिया, नाइजीरिया, चीन, यूएई, मिस्त्र और वेनेजुएल ने कड़ी क्वालीफिकेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद टूर्नामेंट में जगह बनाई है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने विज्ञप्ति में कहा, ''तीन स्पर्धाओं- पुरुष ट्रिपल, महिला ट्रिपल और टीम रिले- में अधिकतम 96 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे।''विज्ञप्ति के अनुसार, ''पुरुष एकल के पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी वोंग विंग की विन्सेंट हांगकांग चीन की रिले टीम का हिस्सा होंगे।''एयर बैडमिंटन इस खेल का नया आउटडोर प्रारूप है जिसमें बैडमिंटन की वैश्विक पहुंच को बढ़ाने की बहुत ज़्यादा क्षमता है।

पीकेएल के फाइनल में होगी दिल्ली और पुणेरी पल्टन

नई दिल्ली। दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र के फाइनल में शुक्रवार को खिताब के लिये त्यागराज इंडोर स्टेडियम में आमने सामने होंगे। दोनों टीमें लीग चरण के बाद शीर्ष दो स्थानों पर रहकर फाइनल में पहुंची है।आठवें सत्र की चैम्पियन दबंग दिल्ली ने पहले क्वालीफायर में टाइब्रेकर में पुणेरी पल्टन को 6 . 4 से हराया था। कप्तान अंशु मलिक और कोच तथा पूर्व कप्तान जोगिंदर नरवाल की दिल्ली टीम ने पूरे सत्र में निर्णायक क्षणों में जबर्दस्त खेल का प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर पुणेरी पल्टन ने दूसरे क्वालीफायर में तेलुगू टाइटंस को हराकर चार सत्रों में तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई।कोच अजय ठाकुर और कप्तान असलम ईनामदार की पुणेरी टीम लीग तालिका में शीर्ष पर रही थी।

रहाणे स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैः कोटियन

बेंगलुरु। भारत ए के तनुश कोटियान ने कहा कि मुंबई के अनुभवी बल्लेबाजों जैसे अजिंक्य रहाणे को नेट्स पर गेंदबाजी करने से उनके ऑफ-स्पिन कौशल को निखारने में मदद मिली।

रहाणे स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। कोटियान ने चार विकेट लिए जिससे भारत ए ने बृहस्पतिवार को पहले चार दिवसीय मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ए का स्कोर नौ विकेट पर 299 रन कर दिया। कोटियान ने दिन के खेल के बाद कहा, ''मुंबई रणजी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए खेल चुके हैं और वे स्पिन के खिलाफ किसी भी टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।

भारत का युवा एशियाई खेल में प्रभावशाली प्रदर्शन

भारत को मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक

एजेंसी ▶▶| बहरीन

भारत ने एशियाई युवा खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के अलावा 'बीच कुश्ती' में भी तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजों खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने स्वर्ण पदक जीते जबकि लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस तरह भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। सुबह के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता। अहाना (50 किग्रा) ने इसके बाद एकतरफा जीत हासिल की जब पहले राउंड में ही दक्षिण कोरिया की मा

जोंग हयांग के खिलाफ रैफरी को मुकाबला रोकने (आरएससी) के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद चंद्रिका (54 किग्रा) ने उज्बकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5-0 से हराकर भारत की स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। पदक की गिनती और भी बढ़ सकती है क्योंकि हरनूर कौर (66 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) शाम के सत्र में अपने-अपने वर्ग में फाइनल में हिस्सा लेंगी जिसमें भारत की नजरें स्वर्ण पदक का रिकॉर्ड बनाने पर है।

लड़कों के फाइनल में लैंचेनबा (50 किग्रा) को कजाखस्तान के नूरमाखान झुमगली के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 'बीच कुश्ती' में सानी सुभाष फुलमाली और अंजलि ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के 60 किग्रा और 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जबकि अर्जुन रुहिल भी लड़कों के 90 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर रहे।

सुजॉय व रविंदर ने हारे फाइनल मुकाबले

सुजॉय नागनाथ तनपुरे (70 किग्रा) और रविंदर (80 किग्रा) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में हारने के बाद रजत पदक मिला। सानी सुभाष ने फाइनल में ईरान के अमीराली डोमिरकोलाई को 2-0 से हराया जबकि अंजलि ने वियतनाम की बुई एमगोक थाओ थॉम को 2-1 से शिकस्त दी।

अर्जुन ने 90 किलो में ईरान के फोतउही को हराया: अर्जुन ने 90 किग्रा वर्ग में ईरान के मोहम्मदमहदी फोतोउही को हराया। सुजॉय ईरान के सिना शोकोउही से 1-2 से हार गए जबकि रविंदर को भी ईरान के ही तौराज खोडेई के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला विश्व कप : अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का किया पीछा

रोड्रिग्स की यादगार पारी से भारत फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया को हराया

भाषा ▶▶| नवी मुंबई

जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे बड़े मंच पर अपने जीवन की यादगार पारी खेली और उनकी नाबाद 127 रन की पारी की बदौलत भारत ने बृहस्पतिवार को यहां सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर महिला विश्व कप के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अब दो नवंबर को फाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा जिससे टूर्नामेंट को नया विजेता मिलेगा। रोड्रिग्स 14 चौके जड़ित 134 गेंद की नाबाद शतकीय पारी ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड के शतक पर भारी पड़ गई जिससे भारत ने नौ गेंद रहते 341 रन बनाकर महिला वनडे में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पराजित कर दिया। भाग्य ने भी रोड्रिग्स का अच्छा साथ दिया जिन्हें कई बार जीवनदान मिला और उन्होंने इनका पूरा फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी निभाई जिसकी बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के दो चरण में 15 मैच से चले आ रहे अपराजित अभियान को समाप्त किया। जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत और रोड्रिग्स की आंखों में खुशी के आंसू थे। लिचफील्ड (119 रन) के शतक ने बड़े स्कोर की नींव रखी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 338 रन बनाए भारत ने 48.3 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया

36वें ओवर में लगा तीसरा झटका

हरमनप्रीत को पैर की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशानी हो रही थी और पर कुछ देर बाद उन्होंने अनाबेल सदरलैंड की गेंद को पुल किया लेकिन यह उनके बल्ले के ऊपर हिस्से से लगकर हवा में चली गई और गार्डनर ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। भारत को 36वें ओवर में तीसरा झटका 226 रन पर लगा। दीप्ति शर्मा (24 रन, 17 गेंद, तीन चौके) और रिचा घोष (26 रन, 16 गेंद, दो चौके, दो छक्के) ने अंत में उपयोगी योगदान दिया। इससे पहले अगर बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी (49 रन देकर दो विकेट) ने 3-0-9-2 के तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी नहीं की होती तो ऑस्ट्रेलियाई टीम इससे भी विशाल स्कोर तक पहुंच गई होती।

स्मृति मंधाना ने 24 रन बनाए

फॉर्म में चल रही प्रतिका रावल के चोटिल होने के कारण अंतिम एकादश में शामिल हुईं शेफाली वर्मा (10) दूसरे ही ओवर में किम गार्थ की गेंद पर पगबाधा हो गईं। मेजबान टीम ने फिर पावरप्ले में अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना (24 रन) का विकेट गंवा दिया। गार्थ की गेंद पर विकेटकीपर हीली ने कैच लपका लेकिन अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। पर हीली ने रिव्यू लेने का फैसला किया जिसमें गेंद मंधाना के बल्ले के किनारे से छूती हुई दिखी और ऑस्ट्रेलिया को 10वें ओवर में अहम विकेट मिल गया। इस समय भारत का स्कोर 59 रन था।

भारत ने 30 ओवर में दो विकेट पर 189 रन बनाए

रोड्रिग्स ने अपनी पारी के दौरान कट शॉट और स्वीप शॉट लगाने के साथ बीच बीच में एक दो रन लेकर सतर्कता से पारी को आगे बढ़ाया। तो वहीं हरमनप्रीत ने अर्धशतक पूरा करते ही आक्रामकता बरतते हुए तहलिया मैकग्रा पर एक्स्ट्रा कवर में और एशले गार्डनर पर काउ कॉर्नर पर छक्का जड़ा। भारत ने 30 ओवर में दो विकेट पर 189 रन बना लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर इस समय दो विकेट पर 193 रन था। इस तरह टीम को 20 ओवर में जीत के लिए 150 रन की दरकार थी।

दूसरा टी20 मैच आज

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद भारत के हौसले बुलंद

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक एमसीजी मैदान पर होने वाले दूसरे टी20 मैच के लिये यहां बुलंद हौसलों के साथ पहुंच गई है। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे अपने आक्रामक खेल से टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढने के बाद आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश रहना चिंता का सबब बना हुआ था। पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में हालांकि सूर्यकुमार ने 24 गेंद में 39 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर ऊंचा छक्का लगाया जो लंबे समय तक याद रहेगा। भारतीय टीम लय बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी। बारिश के कारण हालांकि कैनबरा में दूसरा मैच धुल गया जब भारत ने 9 . 4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाये थे। सूर्यकुमार और शुभमन गिल दोनों आस्ट्रेलियाई आक्रमण की बखिया उधेड़ने को तत्पर लग रहे थे। मेलबर्न में भी शुक्रवार को बारिश होने का अनुमान है हालांकि भारतीय टीम अपनी लय बनाये रखने की पूरी कोशिश करेगी।

हेजलवुड पर होगा गेंदबाजी का जिम्मा

आस्ट्रेलियाई टीम भी काफी आक्रामक क्रिकेट खेलती है। हेड, मार्श, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और जोश इगलिस बड़े स्कोर बनाने का माद्दा रखते हैं। मिचेल स्टार्क के टी20 से संन्यास और पैट कमिंस के चोटिल होने से गेंदबाजी में अनुभव कम लग रहा है। ऐसे में हेजलवुड पर आक्रमण की जिम्मेदारी होगी जिसमें जेवियर बार्टलेट, मैथ्यू कुन्हेमन और नाथन एलिस उनका साथ देंगे।

मैच के दौरान हुए थे घायल

श्रेयस ने कहा -प्रतिदिन हो रहा है स्वास्थ्य में सुधार

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रतिदिन बेहतर हो रहे हैं और चोट से उबरने की राह पर हैं। श्रेयस को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान एलेक्स कैरी का कैच लपकते समय तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) के साथ पसली में चोट लगी थी।

उन्होंने चोट लगने के बाद पहली बार एक्स और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट में लिखा ,'' मैं रिकवरी की राह पर हूं और प्रतिदिन स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है।'' उन्होंने लिखा ,'' इतनी शुभकामनाओं और समर्थन से मैं अभिभूत हूं। मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद।''श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया।

पीसीबी ने 157 खिलाड़ियों से किए घरेलू करार

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बृहस्पतिवार को 2025 . 26 सत्र के लिये घरेलू क्रिकेटरों से करार की संख्या बढाकर 131 से 157 कर दी। पीसीबी ने चार वर्गों में करार किये हैं। बोर्ड ने 30 खिलाड़ियों को ए श्रेणी करार, 55 को बी श्रेणी, 51 को सी श्रेणी और 21 को डी श्रेणी के करार दिये हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा ,'' ये करार पिछले साल के प्रदर्शन को ध्यान में रखकर दिये गए हैं।'' अधिकारी ने नये करार की रकम नहीं बताई लेकिन पिछले सत्र में पीसीबी ने ए श्रेणी के लिये 550000 पाकिस्तानी रूपये, बी के लिये चार लाख और सी के लिये ढाई लाख तय किये थे। इसके साथ ही अनुबंधित खिलाड़ियों को चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैच के लिये दो लाख पाकिस्तानी रूपये , लिस्ट ए मैच के लिये सवा लाख और टी20 मैच के लिये एक लाख पाकिस्तानी रूपये मैच फीस भी दी जा रही थी।

अभिषेक नायर बने नाइट राइडर्स के मुख्य कोच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बृहस्पतिवार को भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया।

इस तरह वह आईपीएल फ्रेंचाइजी में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे जिन्होंने तीन सत्र तक यह जिम्मेदारी संभाली थी। नायर 2018 से केकेआर से जुड़े हुए हैं और उनके टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों में से एक हैं। टीम चयन के मामले में ड्रेसिंग रूम में उनका काफी दबदबा रहा है। लगभग नौ महीने तक नायर भारतीय टीम में गौतम गंभीर के कोचिंग दल का हिस्सा थे लेकिन भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें बिना किसी औपचारिकता के बर्खास्त कर दिया गया और सितांशु कोटक को उनकी जगह दी गई। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा, ''अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का अहम हिस्सा रहे हैं।

उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर हमारे खिलाड़ियों को तराशा है। खेल के प्रति उनकी समझ और खिलाड़ियों के साथ जुड़ाव हमारी प्रगति में अहम रहा है। हम उन्हें मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालते हुए देखकर काफी उत्साहित हैं।''

आस्ट्रेलिया के युवा क्रिकेटर की अभ्यास के दौरान गले पर गेंद लगने से मौत

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के 17 वर्ष के क्रिकेटर बेन आस्टिन की यहां अभ्यास के दौरान गले में गेंद लगने से मौत हो गई जिससे 2014 में फिल ह्यूज की मौत की दुखद यादें ताजा हो गई। आस्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। बेन फर्नट्री गली में अभ्यास के दौरान गेंद गले और सिर में लगी थी। वह टी20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे। उन्हें हादसे के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

खेल में फिर सुरक्षा उपकरणों की मांग जोर पकड़ने लगी : फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने बृहस्पतिवार

को उनकी मौत की पुष्टि की। क्लब ने कहा ,'' हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं। उसके परिवार, दोस्तों और जानने वालों के प्रति हमारी संवेदनायें।''अभ्यास के वक्त उन्होंने हेलमेट पहना था लेकिन 'नेकगार्ड' नहीं। इस हादसे के बाद एक बार फिर हर स्तर पर खेल में सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग की मांग जोर पकड़ने लगी है।

बेन के निधन से परिवार दुखी : इससे पहले क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस आस्टिन के हवाले से परिवार की ओर से एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया ,'' हम अपने चहेते बेन के निधन से बेहद दुखी हैं। ट्रेसी और मेरे लिये बेन लाड़ला बेटा था और कूपर तथा जाश का चहेता भाई था।

हादसे ने उसे हमसे छीन लिया : वह हमारे परिवार और दोस्तों के जीवन का उजाला था। इस हादसे ने उसे हमने छीन लिया। उसे क्रिकेट से प्यार था और यह खेल उसके जीवन की खुशी था। इसमें यह भी कहा गया , हम उस गेंदबाज के भी साथ खड़े हैं जो उस समय नेट्स पर गेंदबाजी कर रहा था।

आईटीआईए ने मॉरफिन के इस्तेमाल के लिए किया निलंबित

डोप टेस्ट में फेल हुए टेनिस खिलाड़ी दलविंदर निलंबित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने 2017 के राष्ट्रीय चैंपियन दलविंदर सिंह को प्रतिबंधित पदार्थ मॉरफिन के इस्तेमाल के लिए बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया। अप्रैल 2017 में करियर की सर्वश्रेष्ठ 791वीं एकल विश्व रैंकिंग हासिल करने वाले दलविंदर मार्च 2025 में मॉरफिन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। वह उस समय चंडीगढ़ में आईटीएफ विश्व टेनिस टूर प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे थे।

खेलने, कोचिंग देने या शामिल होने की स्वीकृति नहीं होगी

आईटीआईए ने विज्ञप्ति ने कहा, ''निलंबन के दौरान दिलविंदर को आईटीआईए (एटीपी, आईटीएफ, डब्ल्यूटीए, टेनिस ऑस्ट्रेलिया, फेडरेशन फ्रांसेइस डि टेनिस, विंबलडन और यूएसटीए) या किसी राष्ट्रीय संघ के सदस्यों द्वारा अधिकृत या मंजूर किसी भी टेनिस प्रतियोगिता में खेलने, कोचिंग देने या शामिल होने की स्वीकृति नहीं होगी।''

मॉरफिन नियम एस सात के तहत प्रतिबंधित

टीएडीपी के तहत मॉरफिन नारकोटिक्स (2025 विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी प्रतिबंधित सूची के नियम एस सात) के वर्ग में प्रतिबंधित है। आईटीआईए से बातचीत के बाद दलविंदर ने एडीआरवी के सामने माना कि उन्हें लगता है कि मॉरफिन का स्रोत दर्द कम करने वाली दवा थी जो उन्होंने पॉजिटिव परीक्षण वाले दिन ली थी। खिलाड़ी के स्पष्टीकरण के मुताबिक दवा लगभग 12 महीने पहले कलाई की सर्जरी के बाद दी गई थी। हालांकि दलविंदर अपनी बात के समर्थन में और अधिक जानकारी नहीं दे पाए जिसमें कोई पैकेजिंग, रसीदें, प्रिसक्रिप्शन या ली गई दबाव का नाम शामिल था।

आईटीआईए के पास साबित करने जरूरी सबूत नहीं था

आईटीआईए के पास यह साबित करने के लिए जरूरी सबूत नहीं था कि दलविंदर ने जानबूझकर टीएडीपी का उल्लंघन किया था। खिलाड़ी पॉजिटिव परीक्षण का स्रोत साबित नहीं कर सका।

दो साल का निलंबन प्रस्ताव दिया गया था
नियमों के मुताबिक खिलाड़ी को दो साल के निलंबन का प्रस्ताव दिया गया था जिसे मान लिया गया और यह 22 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया। अयोग्यता का समय 21 अक्टूबर 2027 को खत्म होगा। जिस प्रतियोगिता में दलविंदर का परीक्षण पॉजिटिव आया उसके नतीजे, इनाम की रकम और रैंकिंग अंक भी जब्त कर लिए गए। आईटीआईए एक स्वतंत्र संस्था है

जैसलमेर की टेंट सिटी में भीषण आग

-म्यूजिक प्रोग्राम के दौरान मची भगदड़, पांच लग्जरी टेंट जलकर राख

जैसलमेर । राजस्थान के रेगिस्तान की सुनहरी रेत पर बसे जैसलमेर के मशहूर सम सैंड ड्यून्स इलाके में गुरुवार रात एक बड़ी दुर्घटना हो गई। यहां स्थित जैन रिसोर्ट की टेंट सिटी में अचानक आग लग गई। उस समय रिसोर्ट में सैकड़ों देशी-विदेशी सैलानी मौजूद थे, जो म्यूजिक प्रोग्राम का आनंद ले रहे थे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही मिनटों में पांच लग्जरी टेंट पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। रिसोर्ट के परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें कई टूरिस्ट शामिल थे। सौभाग्य से जब आग लगी, उस वक्त अधिकतर टेंट खाली थे। जैसे ही लपटें उठीं, धुआं चारों तरफ फैल गया और एक किलोमीटर दूर तक आग की लपटें साफ दिखाई देने लगीं। म्यूजिक प्रोग्राम स्थल पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई टूरिस्ट अपनी सुरक्षा के लिए भागते नजर आए। रिसोर्ट के कर्मचारियों ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और रेत डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। रेत डालने से कुछ ही देर में आग पर आंशिक नियंत्रण पाया गया, लेकिन तब तक टेंटों के अंदर रखे महंगे फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, और सजावट की चीजें जलकर राख हो चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरा क्षेत्र लाल लपटों से घिर गया। आग लगने की वजह का अभी तक साफ पता नहीं चल पाया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शॉर्ट सर्किट या जनरेटर की चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर मौजूद गवाहों का कहना है कि यदि हवा का रुख थोड़ा और तेज होता, तो आग और फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि हादसे के दौरान ना तो एंबुलेंस मौके पर पहुंची और ना ही जिला प्रशासन की सिविल डिफेंस टीम। स्थानीय लोगों ने ही अपने स्तर पर राहत कार्य किया। जैसलमेर जैसे प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन में इस तरह की सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी पर अब सवाल उठने लगे हैं। रिसोर्ट प्रबंधन का कहना है कि सभी टूरिस्ट सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है। वहीं, जिला प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। फायर सेफ्टी के नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर स्थानीय होटल एसोसिएशन ने भी चिंता जताई है। यह घटना एक बार फिर इस बात की याद दिलाती है कि रेगिस्तानी इलाकों में बने टेंट रिसोर्ट्स को विशेष अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जरूरत है। सूखी हवाओं और खुले माहौल में छोटी सी चिंगारी भी बड़ा खतरा बन सकती है।

बिहार चुनाव 2025: NDA का संकल्प पत्र जारी — 1 करोड़ नौकरियां

-महिलाओं को 2 लाख की मदद और KG से PG तक मुफ्त शिक्षा का वादा

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनज़र आज शुक्रवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) ने पटना में अपना संकल्प पत्र (घोषणापत्र) जारी किया। पटना के प्रसिद्ध होटल मौर्या में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री और HAM (S) प्रमुख जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री व LJP (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान, और RLM के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा मौजूद रहे। हालांकि, घोषणापत्र जारी करने के बाद इन सभी सीनियर नेताओं ने चुनाव प्रचार के लिए प्रस्थान कर लिया और मीडिया को संकल्प पत्र के बारे में विस्तार से जानकारी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अकेले दी।

1 करोड़ नौकरियों का बड़ा वादा-

एनडीए के संकल्प पत्र की सबसे बड़ी घोषणा राज्य के युवाओं को रोजगार देने को लेकर की गई है। गठबंधन ने आगामी पांच वर्षों में 1 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया है। यह घोषणा बिहार में युवाओं की उम्मीदों को केंद्र में रखती है। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग, कृषि, पर्यटन और सेवा क्षेत्र में बड़े निवेश के ज़रिए रोजगार सृजन करेगी। निजी क्षेत्र में भी युवाओं को बड़े पैमाने पर अवसर देने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि सरकार आने पर स्किल डेवलपमेंट मिशन को और सशक्त किया जाएगा, जिससे हर युवा को उसकी योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण और रोज़गार का अवसर मिले।

महिलाओं के लिए 2 लाख तक की सहायता और 'लखपति दीदी' योजना-

एनडीए के इस संकल्प पत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी विशेष ज़ोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि राज्य की महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि वे अपना व्यवसाय या स्वरोज़गार शुरू कर सकें। साथ ही, सरकार ने 'लखपति दीदी' योजना के तहत 1 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा है। इस योजना के ज़रिए महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक, तकनीकी और बाज़ार से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार ने पहले भी महिलाओं को पंचायती राजनीति, शिक्षा और स्वरोज़गार में आगे बढ़ाया है, और आने वाले कार्यकाल में इसे और मज़बूत किया जाएगा।

KG से PG तक मुफ्त शिक्षा का वादा-

संकल्प पत्र में गरीब और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। एनडीए ने वादा किया है कि बिहार में KG से लेकर PG तक की शिक्षा अब पूरी तरह मुफ्त होगी। इसका लाभ आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्गों के बच्चों को मिलेगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। इसके साथ ही राज्य के हर ज़िले में आधुनिक विद्यालय, कॉलेज और टेक्निकल संस्थानों का विस्तार किया जाएगा।

मां जानकी मंदिर और 'सीतापुरम' परियोजना-

संकल्प पत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा देने की दिशा में घोषणाएं की गई हैं। सम्राट चौधरी ने बताया कि मिथिला क्षेत्र में मां जानकी मंदिर को अगले पांच सालों में पूरी तरह विकसित किया जाएगा। इसके आसपास के इलाके को 'सीतापुरम' के नाम से विकसित करने की योजना है। इस परियोजना के तहत मंदिर क्षेत्र को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाएगा, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह एक आकर्षक धार्मिक स्थल बन सके।

चार शहरों में मेट्रो सेवा-

बिहार के शहरी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए भी एनडीए ने बड़ा ऐलान किया है। संकल्प पत्र में कहा गया है कि आने वाले समय में बिहार के चार प्रमुख शहरों – पटना, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर – में मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। इससे न केवल परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि शहरों में रोजगार और व्यापार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

इंदिरा गांधी की 41वीं पुण्यतिथि:

-'भारत की आयरन लेडी' को देश ने दी श्रद्धांजलि

दिल्ली । 31 अक्टूबर 2025 को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 41वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर पूरी कांग्रेस पार्टी और देशभर के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। दिल्ली स्थित उनके मृत्यु स्थल 'शक्ति स्थल' पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पुष्पांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपनी दादी को याद करते हुए लिखा, "उन्होंने हमें सिखाया कि भारत के स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं। इंदिरा जी का जीवन साहस, समर्पण और देशभक्ति की मिसाल है।" वहीं, सोनिया गांधी ने कहा कि इंदिरा गांधी का पूरा जीवन देश की एकता और प्रगति के लिए समर्पित रहा।

इंदिरा गांधी: भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री-

इंदिरा प्रियदर्शिनी गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को इलाहाबाद में हुआ था। वे देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की एकमात्र संतान थीं। राजनीतिक दृष्टि से वे बचपन से ही स्वतंत्रता आंदोलन के वातावरण में पली-बढ़ीं। 1966 में जब लाल बहादुर शास्त्री का निधन हुआ, तो कांग्रेस पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री चुना। इंदिरा गांधी ने 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 1984 तक देश का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में भारत ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कीं। 1971 के भारत-पाक युद्ध में उन्होंने निर्णायक भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ। इसी कारण उन्हें 'दुर्गा' कहकर संबोधित किया गया। उन्होंने देश में हरित क्रांति (Green Revolution) को आगे बढ़ाया, जिससे भारत खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना।

सशक्त नेतृत्व और विवाद-

इंदिरा गांधी को उनके दृढ़ निश्चय और सख्त निर्णयों के लिए जाना जाता है। उन्होंने बैंकों के राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति और गरीबी उन्मूलन के नारे "गरीबी हटाओ" जैसी नीतियों के माध्यम से आम जनता को सीधे तौर पर राजनीति से जोड़ा। हालांकि, 1975 में लगाया गया आपातकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे विवादास्पद दौर रहा। इसके बावजूद 1980 में उन्होंने दोबारा सत्ता में वापसी की और जनता का भरोसा फिर से हासिल किया।

हत्या और विरासत-

31 अक्टूबर 1984 की सुबह, उनके अपने दो अंगरक्षकों — सतवंत सिंह और बेअंत सिंह — ने उन्हें उनके निवास पर गोलियों से भून दिया। यह घटना सिख विरोधी दंगों की भयावह पृष्ठभूमि बनी। उनकी हत्या के पीछे ऑपरेशन ब्लू स्टार की पृष्ठभूमि थी, जिसमें अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से खालिस्तानी आतंकियों को बाहर निकालने के लिए सेना ने अभियान चलाया था। उनके निधन के बाद दिल्ली में उनकी याद में 'शक्ति स्थल' बनाया गया, जहां हर वर्ष 31 अक्टूबर को देशभर से लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचते हैं।

ब्रिटिश शाही संकट: प्रिंस एंड्र्यू से 'प्रिंस' का खिताब छीना

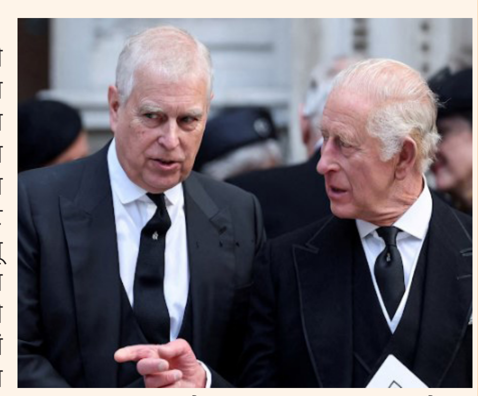

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के शाही परिवार में बड़ा विवाद सामने आया है। किंग चार्ल्स तृतीय ने अपने छोटे भाई प्रिंस एंड्र्यू से 'प्रिंस' का खिताब, सभी शाही उपाधियां और सम्मान छीन लिए हैं। साथ ही उन्हें विंडसर स्थित आलीशान निवास 'रॉयल लॉज' को खाली करने का आदेश भी दे दिया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब एंड्र्यू पर गंभीर यौन शोषण के आरोप दोबारा चर्चा में आए हैं। दरअसल, वर्जिनिया गिफ्रे नाम की महिला ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2001 में जब वह 17 साल की थी, तब प्रिंस एंड्र्यू ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। यह मामला अमेरिकी कारोबारी जेफ्री एप्सटीन से जुड़ा बताया जाता है, जो मानव तस्करी और सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में घिरा था। हालांकि एंड्र्यू ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन सार्वजनिक छवि और शाही गरिमा पर पड़े असर को देखते हुए किंग चार्ल्स ने सख्त फैसला लिया। बकिंघम पैलेस की ओर से गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, "किंग ने आज प्रिंस एंड्र्यू की शैली, उपाधियों और सम्मानों को हटाने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।" इस बयान के बाद ब्रिटिश मीडिया में इसे शाही परिवार के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है। प्रिंस एंड्र्यू पहले ही सार्वजनिक जीवन से दूरी बना चुके हैं और किसी भी शाही जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर रहे थे। अब उपाधियां और आवास छिनने के बाद उनका शाही दर्जा पूरी तरह खत्म हो गया है। इस निर्णय से यह साफ संदेश गया है कि ब्रिटिश राजशाही अब कानून और नैतिकता से ऊपर किसी को नहीं मानती, चाहे वह खुद राजा का भाई ही क्यों न हो।

मुंबई में फिल्मी अंदाज़ का असली ऑपरेशन

-8 कमांडो ने 35 मिनट में 17 बच्चों को बंधक से छुड़ाया

मुंबई । मुंबई के पवई इलाके में गुरुवार को हुआ एक दिल दहला देने वाला वाकया फिल्मी सस्पेंस से कम नहीं था। एक यूट्यूबर ने वेब सीरीज़ के ऑडिशन के बहाने 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बना लिया। लेकिन मुंबई पुलिस और क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) के आठ कमांडो ने अपनी जान की परवाह किए बिना महज़ 35 मिनट में सभी बच्चों को सकुशल छुड़ा लिया। आरोपी यूट्यूबर रोहित आर्या पुलिस मुठभेड़ में मारा गया।

वेब सीरीज़ के ऑडिशन के नाम पर बुलाए थे बच्चे-

50 वर्षीय रोहित आर्या, जो खुद को सोशल मीडिया पर "मोटिवेशनल यूट्यूबर" बताता था, ने पवई स्थित RA स्टूडियो में वेब सीरीज़ के ऑडिशन की घोषणा की थी। उसने 10 से 15 साल के करीब 100 बच्चों को दो दिन के ऑडिशन के लिए बुलाया था। पहले दिन सब सामान्य रहा, लेकिन दूसरे दिन उसने अचानक 17 बच्चों और दो सहायकों को एक कमरे में बंद कर लिया और दरवाज़े पर ताला लगा दिया।

खुद को आतंकी नहीं बताया, फिर दी धमकी-

बंधक बनाने के बाद रोहित ने सोशल मीडिया पर लाइव वीडियो जारी किया। उसमें उसने कहा कि वह कोई आतंकवादी नहीं है, बल्कि सिस्टम से परेशान एक "क्रिएटर" है। उसने यह भी चेतावनी दी कि अगर उसे कुछ हुआ तो बच्चों को नुकसान पहुँचेगा। वीडियो वायरल होते ही लोगों में हड़कंप मच गया और किसी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई-

सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुँच गईं। इलाके की घेराबंदी की गई और विशेष बलों को बुलाया गया। कमांडो टीम ने आसपास की इमारतों से स्थिति का जायजा लिया और स्टूडियो के बाथरूम के रास्ते से अंदर घुसने की योजना बनाई। यह रास्ता बेहद संकरा और जोखिम भरा था, लेकिन बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए ऑपरेशन में कोई देरी नहीं की गई।

35 मिनट में खत्म हुआ ऑपरेशन-

जैसे ही कमांडो टीम अंदर पहुँची, आरोपी ने पुलिस पर एयर गन से फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि उसकी बंदूक असली नहीं थी, लेकिन खतरे को भांपते हुए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। एक गोली रोहित आर्या को लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने शाम 5:15 बजे उसे मृत घोषित कर दिया।

सभी बच्चे सुरक्षित, माता-पिता ने ली राहत की सांस-

ऑपरेशन के दौरान एक भी बच्चा घायल नहीं हुआ। पुलिस ने सभी 17 बच्चों और दो सहायकों को सुरक्षित बाहर निकाला। बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया गया तो माहौल भावनाओं से भर गया। कई माता-पिता पुलिस के पैरों में गिरकर शुक्रिया अदा करने लगे।

चाबहार पोर्ट पर भारत को 6 महीने की अमेरिकी छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत को ईरान के चाबहार बंदरगाह से जुड़े प्रतिबंधों में छह महीने की रियायत दी है। यह बंदरगाह भारत की सामरिक और आर्थिक दृष्टि से बेहद अहम परियोजना है, क्योंकि इसके ज़रिए भारत सीधे अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से व्यापार कर सकता है, बिना पाकिस्तान के रास्ते पर निर्भर हुए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने हाल ही में इस छूट को बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे पहले वाशिंगटन ने कहा था कि 29 सितंबर से ईरान के साथ जुड़े इस प्रोजेक्ट में किसी भी प्रकार की भागीदारी करने वाली कंपनियों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। हालांकि बाद में इस डेडलाइन को 27 अक्टूबर तक टाल दिया गया था, जिसकी मियाद 3 दिन पहले समाप्त हो चुकी थी। अब अमेरिका ने भारत को 6 महीने की अतिरिक्त मोहलत दे दी है। भारत ने वर्ष 2024 में चाबहार पोर्ट को 10 साल की लीज पर लिया है। इस समझौते के तहत भारत 120 मिलियन डॉलर का सीधा निवेश करेगा और साथ ही 250 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन (सस्ता कर्ज) भी उपलब्ध कराएगा। चाबहार बंदरगाह, जो ईरान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित है, भारत की "इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर" (INSTC) रणनीति का प्रमुख केंद्र है। इस पोर्ट के ज़रिए भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधा समुद्री मार्ग मिलता है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और व्यापारिक पहुंच आसान होती है। इस रियायत से भारत को अपने क्षेत्रीय हितों को आगे बढ़ाने का बड़ा अवसर मिला है।

नीदरलैंड्स में समलैंगिक नेता रॉब जेटन बन सकते हैं अगले पीएम

एम्सटर्डम लंदन (एजेंसी)। नीदरलैंड्स में होने वाले आम चुनावों के एग्जिट पोल्स ने एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर दिखाया है। सेंट्रिस्ट लिबरल पार्टी डेमोक्रेट्स 66 (D66) के नेता रॉब जेटन देश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के अनुसार, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिलने का अनुमान है, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम (PVV) के लगभग बराबर है। अगर ये नतीजे वास्तविक चुनाव परिणामों में बदलते हैं, तो 38 वर्षीय रॉब जेटन न केवल नीदरलैंड्स के सबसे युवा प्रधानमंत्री होंगे, बल्कि देश के पहले खुले तौर पर समलैंगिक (ओपनली गे) पीएम भी बनेंगे। जेटन ने अपने व्यक्तिगत जीवन को हमेशा खुलेपन के साथ स्वीकार किया है। वे अगले साल अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी निकोलस कीनन से शादी करने जा रहे हैं। दोनों लंबे समय से रिश्ते में हैं और यूरोपीय मीडिया में अक्सर चर्चित रहते हैं। दूसरी ओर, यह परिणाम गीर्ट वाइल्डर्स के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। वाइल्डर्स ने चुनाव प्रचार के दौरान मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिक अधिकारों और जलवायु परिवर्तन नीतियों के खिलाफ तीखा रुख अपनाया था। उनका एजेंडा कठोर राष्ट्रवाद और इस्लाम विरोध पर केंद्रित रहा है। वाइल्डर्स 2022 में भारत की भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में भी चर्चा में आए थे, जब उन्होंने पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी की थी। उस वक्त वाइल्डर्स ने नूपुर शर्मा का खुलकर बचाव किया था, जिससे मुस्लिम जगत में नाराज़गी फैली थी।

पीएम बोले- पटेल चाहते थे पूरा कश्मीर भारत में, नेहरू ने रोका; कांग्रेस ने वंदे मातरम् बांटा

-जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वो कांग्रेस ने किया

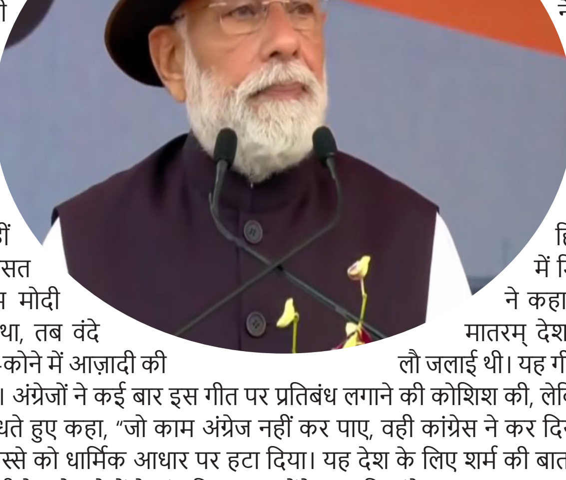

वडोदरा । गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का निरीक्षण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ 562 रियासतों को भारत में मिलाया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। उन्होंने कहा, "अगर सरदार पटेल को कश्मीर का मामला भी सुलझाने दिया गया होता, तो पूरा जम्मू-कश्मीर आज हमारे देश का अभिन्न हिस्सा होता। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कारण ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कश्मीर को अलग संविधान और विशेष दर्जा देकर वहां अलगाव की नींव रख दी।" पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की गलत नीतियों ने देश को दशकों तक जलने पर मजबूर कर दिया। "कश्मीर से लेकर असम और पंजाब तक जो अलगाव और आतंकवाद की आग भड़की, वह कांग्रेस की ऐतिहासिक भूलों का परिणाम है। जिस गलती को अंग्रेज़ भी नहीं कर पाए, उसे कांग्रेस ने कर दिखाया," प्रधानमंत्री ने कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ सत्ता की चिंता थी, राष्ट्र की नहीं। "कांग्रेस के नेताओं को अपनी पार्टी और सत्ता से इतना मोह था कि वे देश की एकता और अखंडता के साथ समझौता करने में भी नहीं हिचकिचाए। उन्हें अंग्रेजों से सिर्फ शासन नहीं, बल्कि गुलाम मानसिकता भी विरासत में मिली। आज भी कांग्रेस उसी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाई है," पीएम मोदी ने कहा। मोदी ने आगे कहा कि जब 1905 में अंग्रेजों ने बंगाल का विभाजन किया था, तब वंदे मातरम् देश की एकता का प्रतीक बनकर उभरा। "उस समय वंदे मातरम् ने देश के कोने-कोने में आज़ादी की लौ जलाई थी। यह गीत भारत की आत्मा का प्रतीक था, जिसने लाखों देशवासियों को एक सूत्र में बांधा। अंग्रेजों ने कई बार इस गीत पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन वे कभी सफल नहीं हो सके," उन्होंने कहा। पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, "जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वही कांग्रेस ने कर दिया। अंग्रेज वंदे मातरम् को दबाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने खुद इसके एक हिस्से को धार्मिक आधार पर हटा दिया। यह देश के लिए शर्म की बात है कि जिसने आज़ादी की लड़ाई में यह गीत गाया, उसी गीत को बाद में अपने ही देश के लोगों ने बांट दिया।" उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का हर शब्द देशभक्ति से भरा हुआ है। "यह गीत मां भारती के प्रति समर्पण का प्रतीक है। लेकिन कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए इस गीत की आत्मा को घायल कर दिया। धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने का जो एजेंडा ब्रिटिश लेकर आए थे, कांग्रेस ने उसे आगे बढ़ाया," पीएम मोदी ने कहा। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत के लिए जो किया, उसे देश कभी नहीं भूल सकता। "सरदार पटेल ने न रियासतों की ताकत देखी, न उनका विरोध।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,